BATTERY ZONE
Deals in : All Types of Battery and Invertor
Mob. 9109013555

TATA Green Batteries
MICROTEK TECHNOLOGY WE LIVE
Opp. Majar, G.E. Road, Shastri Nagar, Bhilai (C.G.)

सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

माँ दुर्गा ज्वेलर्स

सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

वर्ष- 14 अंक - 132 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 24 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ मॉडल
अंतिम व्यक्ति तक न्याय

107.53 लाख मीट्रिक टन
धान खरीदी का कीर्तिमान

लघु वनोपज खरीदी में देश में अव्वल

छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों को दिए
150,000 करोड़ रुपए

गोधन न्याय योजना के तहत सरकार द्वारा गोबर और गौमूत्र की खरीद से
मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था

जंगल, गांव, बस्ती में मोबाइल अस्पतालों से 1.22 करोड़ लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं

वन आश्रितों को वनाधिकार देने में
देश में अव्वल

देश में मिसाल बने
स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूलों
में सभी वर्ग के 2.5 लाख से ज्यादा
बच्चों को आधुनिक शिक्षा के अवसर

दवाइयों पर 70 प्रतिशत तक की छूट
से 85 करोड़ रुपए की बचत

45 लाख उपभोक्ताओं को
बिजली बिल पर 3,250 करोड़ रुपए
की राहत

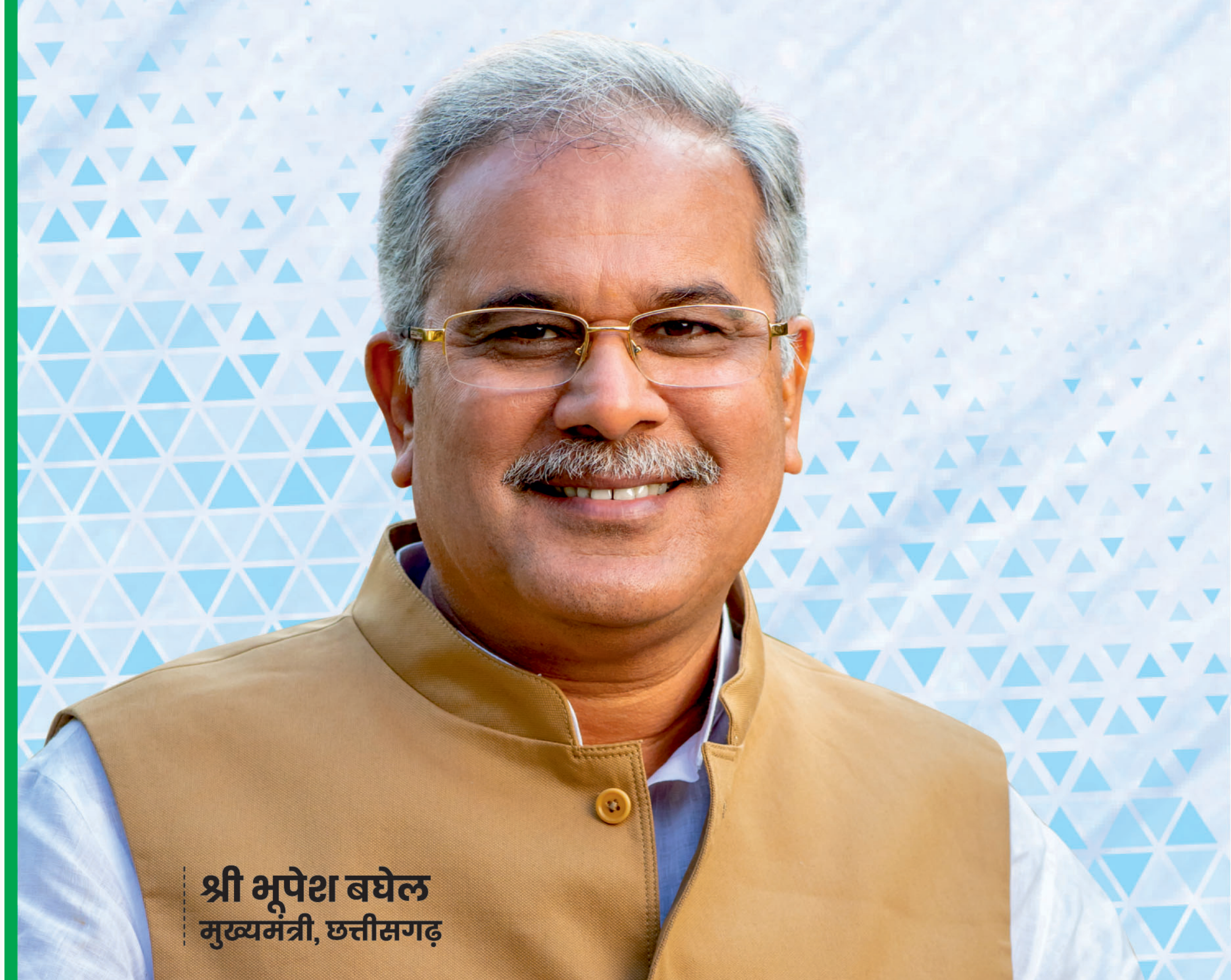

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO - 35751/62

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in
जनसंपर्क

संपादकीय

लगाम जरूरी

एक कांग्रेस प्रवक्ता की हवाई अड्डे पर नाटकीय गिरफ्तारी और उसके बाद सर्वोच्च अदालत से मिली राहत के कई पहलू हैं, जो विचारणीय हैं। कभी पुलिस सुस्त दिखाती है, तो कभी उसकी अत्यधिक सक्रियता अचंभित करने लगती है। कांग्रेस प्रवक्ता ने भूलवश ही सही, सरासर गलत बयानी की थी, इसमें कोई शक नहीं। उन्होंने माफी भी मांग ली, लेकिन कई तीर होते हैं, जो छूटने के बाद जगह-जगह तकलीफ देते हैं। वाराणसी से असम तक कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ मामले दर्ज हो गए। उत्तर प्रदेश की पुलिस उन तक नहीं पहुंची, पर असम पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली पुलिस को साथ लिए नई दिल्ली हवाई के अड्डे पर पहुंच गई। कानून-व्यवस्था के प्रति असम पुलिस की यह दिलचस्पी पता नहीं प्रशंसा का विषय है या नहीं, पर विमर्श का विषय तो है ही। वाकई, इस देश में ऐसी सक्रिय व्यवस्था की जरूरत है, ताकि आए दिन होने वाली गलत बयानियों पर लगाम लग जाए। बुरा बोलने वाला अपनी गिरफ्तारी से डरने लगे, इससे बेहतर और क्या हो सकता है? सियासत में आलोचना ही नहीं, प्रति-आलोचना की भी सीमा होनी चाहिए। सियासत में तंज नई बात नहीं है, लेकिन किसी के नाम को बिगाड़ने, गलत नाम देने की एक परंपरा बनने लगी है। सियासत में संवाद की एक अलग गंभीर मुख्यधारा होनी चाहिए, पर इसमें जब आम सोशल मीडिया-स्तरीय हल्केपन का समावेश होने लगा है, तब न केवल चिंता बढ़ी है, पुलिस का काम भी बढ़ा है। पवन खेड़ा सजग रहते, तो मामला इस मुकाम तक नहीं पहुंचता। कांग्रेस का रायपुर में सम्मेलन शुरू होने जा रहा है, जिसमें भाग लेने के लिए जब वह रवाना होने वाले थे, तब उन्हें विमान से उतार लिया गया। जाहिर है, हवाई अड्डे पर अप्रिय स्थिति बन गई। अब सर्वोच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत देकर राहत दे दी है, शायद मुकदमों की सुनवाई भी एक जगह ही होगी। पवन खेड़ा या कांग्रेस पार्टी को कोशिश करनी चाहिए कि माफी मांगकर प्रथम सूचना रिपोर्ट का निपटारा कराया जाए। धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने वाला, राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल आचरण व मानहानि से जुड़ा यह मामला तमाम नेताओं के लिए सबक होना चाहिए। परस्पर विद्वेष राजनीति करने वालों को खतरे में ही डालेगा, इसमें किसी का भी हित नहीं है। मखौल उड़ाने की कोशिशें कहीं तक शोभा देती हैं, जहां तक कोई आहत नहीं होता है। जहां संविधान की सही पालना होती, अपने विचार के पक्ष में लड़ने के लिए मजबूत तर्क होंगे, वहां अपशब्दों या गहरे चुभने वाले जुमलों की कदापि जरूरत नहीं पड़ेगी। स्वाभाविक है, सियासत में जैसी आवाज आप पैदा करते हैं, ठीक वैसी ही आवाज आप तक लौटकर आती है। जूते फेंकने वालों को फूल मिलें, यह कितना मुमकिन है? इस पूरे प्रकरण में पुलिस का पक्ष सबसे महत्वपूर्ण है। कानून की पालना के प्रति पूरे देश में समानता या समान व्यवहार की उम्मीद संविधान भी करता है। सचमुच, कानून-व्यवस्था राज्य का मामला है, लेकिन किसी मामले में अति सक्रियता व किसी मामले में उदासीनता भी तो राज्य के सम्मान से जुड़े पहलू हैं। यह सही है कि पुलिस की सक्रियता राज्य के निर्णायकों के विवेक पर ज्यादा निर्भर करती है और यही वह मोर्चा है, जहां पहुंचकर पुलिस सुधार की मांग तेज हो जाती है। समस्या सबको बारी-बारी से हो रही है, पर पीड़ितों में कितने नेता ऐसे हैं, जो पुलिस सुधार के ईमानदार हिमायती हैं?

> धार्मिक सद्भाव बिगाड़ने वाला, राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल आचरण व मानहानि से जुड़ा यह मामला तमाम नेताओं के लिए सबक होना चाहिए। परस्पर विद्वेष राजनीति करने वालों को खतरे में ही डालेगा, इसमें किसी का भी हित नहीं है।

दूसरी दुनिया में प्रवेश

दूसरी दुनिया के बारे में ज्यादातर दावे अब तक आस्था के विषय रहे हैं। पर तथ्य है कि हेनरी द्वितीय के शासनकाल में मेरी डी उल्पिट्स नामक जगह पर गहरी हरी त्वचा वाले युवक और युवती देखे गए थे। ऐसा कहा जाता रहा है कि हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसी जगहें हैं, जिनसे होकर किसी दूसरी दुनिया में प्रवेश संभव है, और इन रहस्यमय रास्तों से दूसरी दुनिया के लोग भी कभी-कभी पृथ्वी पर आते हैं। संसार भर के आध्यात्मिक साहित्य ऐसे उल्लेखों से भरे पड़े हैं। अपने देश में हिंदू और बौद्ध योगियों ने अरुणाचल प्रदेश, तिब्बत और उत्तराखंड में ऐसी ही कुछ अदृश्य गुफाओं के दावे किए हैं। विज्ञान इसको स्वीकार नहीं करता,पर इतना तो वह भी मानता है कि इस पृथ्वी पर ऐसे इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड जरूर हैं, जिनमें प्रवेश करते ही वस्तुएं गायब हो सकती हैं। माना जाता है कि बरमूडा ट्रायंगल में ऐसे ही कुछ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड्स हैं, जिनमें प्रवेश के बाद दर्जनों विमान और जलयान गायब हो चुके हैं और समुद्र में जिनके अवशेष तक नहीं मिले। दूसरी दुनिया में प्रवेश या उसके आगंतुकों के ज्यादातर दावे अब तक आस्था के विषय रहे हैं। साक्ष्यों के अभाव में इन्हें प्रमाणित नहीं किया जा सका है। मगर एक विश्वसनीय दावा इंग्लैंड से 12वीं सदी में आया था, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। हेनरी द्वितीय के शासनकाल में मेरी डी उल्पिट्स नामक जगह पर गहरी हरी त्वचा वाले एक युवक और एक युवती देखे गए थे। उस सदी के विख्यात संत विलियम ऑफ न्यूबर्ग ने अपनी कृति हिस्टोरिया रेरम एंगलिकैरम में इस घटना के बारे में लिखा है कि उन दोनों के कपड़े विचित्र और कुछ अलग पदार्थ से बने थे। किसान उन्हें पकड़कर गांव के प्रधान के घर ले गए। वहां कुछ अरसे रहने के बाद उन दोनों की त्वचा का रंग बदलने लगा। युवक कुछ अरसे बाद बीमार होकर मर गया, और खूबसूरत युवती से लीन के सम्राट ने शादी कर ली।

कुछ वर्षों में वहां की भाषा सीखने के बाद उस रहस्यमयी युवती ने बताया कि वे किसी दूसरी ही दुनिया के भाई-बहन थे। एक दिन भेड़ चराते हुए वे एक गुफा में चले गए थे। गुफा से घंटियों की सुरीली आवाज उठ रही थी। उस आवाज का पीछा करते हुए वे न जाने कैसे इस दुनिया में पहुंच गए। वापस लौटने के लिए उन्होंने उस गुफा-द्वार की बहुत तलाश की, पर सफलता नहीं मिली। पूछने पर अपनी दुनिया के बारे में उसने बताया कि वहां इस दुनिया जैसी गरमी और प्रकाश नहीं है। वहां हमेशा सौम्य रोशनी बिखरी रहती है। संत विलियम के अलावा रॉल्फ ऑफ कॉगशेल, जारवेस ऑफ टिलबरी व ऑगस्टियन न्यूबर्ग ने भी इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी तार्किक समझ इसे मानने को तैयार न थी, पर प्रामाणिक साक्ष्यों व विवरणों के बाद पारलौकिक विषयों पर उनकी दृष्टि बदल गई। वाकई सृष्टि के असंख्य रहस्यों तक विज्ञान की पहुंच नहीं। अत आस्था का परिहास उचित नहीं।

ध्रुव गुप्त

बापू को श्रद्धांजलि

आज यहां पाकिस्तान की पार्लमेन्ट का बजट अधिवेशन प्रारम्भ हो गया। सर्वप्रथम महात्मा गांधी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। पार्लमेन्ट के नेता तथा पाकिस्तान के प्रधानमन्त्री लियाकत अली खां ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे पाकिस्तान की जनता की ओर से भारत की जनता को सहानुभूति का सन्देश भेज दें। पाकिस्तान विधान परिषद की अध्यक्षता श्री जिन्ना कर रहे थे। बैठक 11 बजे दिन में प्रारम्भ हुई। 69 सदस्यों में से 45 उपस्थित थे जिनमें से 38 सरकारी दल के थे और 7 विरोधी दल के। विरोधी दल के नेता श्री किरणकर राय तथा खान अब्दुल गफ्फार खां उपस्थित नहीं थे। बंगाल के भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री एच.एस. सुहरावर्दी भी उपस्थित नहीं थे। विभिन्न प्रान्तों के अधिकांश मन्त्री उपस्थित थे। बलूचिस्तान के एकमात्र प्रतिनिधि नवाब मुहम्मद खां ओग्नजई तथा सीमा प्रान्त के खान सरदार बहादुर खां उपस्थित थे। भारत की जनता, तथा महात्मा गांधी के परिवार को सहानुभूति का सन्देश भेजने के लिए अध्यक्ष से अनुरोध करते हुए प्रधानमन्त्री श्री लियाकत अली खां ने कहा कि दुख के साथ मुझे महात्मा की हत्या के सम्बन्ध में यहां कहना पड़ रहा है।

> आने वाले दिनों में कई पुराने काम खत्म होंगे, तो कई नए शुरू हो जाएंगे। विज्ञान रुकने वाला नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट में चैटजीपीटी से भी अधिक शक्तिशाली बात करने वाली मशीनों पर काम चल रहा है।

बातूनी मशीनें आगे बहुत काम आएंगी

प्रांजल शर्मा

तकनीक की हर नई छलांग उत्साह भी पैदा करती है और चिंता भी लाती है। डीपमाइंड और ओपनएआई जैसी कंपनियों द्वारा बनाए गए नए स्मार्ट चैटबॉट्स ने लोगों का मन मोह लिया है। इनमें इंसानों की तरह सवालों के जवाब देने की क्षमता है। ये बारीकियों की व्याख्या कर सकते हैं, साथ ही, तथ्यों को विश्वास के साथ साझा भी कर सकते हैं।

'ये चैटबॉट नए नहीं हैं। इंसानों के साथ संवाद करने में सक्षम कंप्यूटर प्रोग्राम या चैटबॉट्स की अवधारणा का 1950 के दशक से ही एक इतिहास रहा है। प्रारंभिक चैटबॉट्स को प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकियों का परीक्षण करने के तरीके के रूप में विकसित किया गया था। शुरुआती चैटबॉट्स में से एक एलिजा है, जिसे 1960 के दशक में कंप्यूटर वैज्ञानिक जोसेफ वीजेनबाम ने बनाया था। एलिजा को भाषा पैटर्न की नकल के लिए डिजाइन किया गया था। यह कीवर्ड और वाक्यांशों का जवाब देकर उपयोगकर्ताओं के साथ सहज ढंग से संवाद कर सकता था।' गौर कीजिएगा, उपरोक्त जवाब मुझे चैटजीपीटी ने दिया है, वही जो ओपनएआई द्वारा बनाया गया अग्रणी नया चैटबॉट है। मैंने चैटबॉट्स के इतिहास के बारे में सवाल पूछा था। जाहिर है, यह चैटबॉट्स के इतिहास पर शोध करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक व्यापक जवाब है। चैटजीपीटी को अभी तक का सबसे उन्नत चैटबॉट माना जा रहा है। चैटजीपीटी को ओपनएआई द्वारा विकसित किया गया है, जो खोसला वेंचर्स और माइक्रोसॉफ्ट द्वारा समर्थित शोध प्रयोगशाला है। चैटजीपीटी का एक भाषा मॉडल है, जो इंसानों की तरह ही प्रतिक्रिया करता है। मैंने चैटजीपीटी से एक और सवाल पूछा, चैटबॉट अब तक कितने कारगर रहे हैं? मुझे जवाब मिला, 'पिछले कुछ वर्षों में चैटबॉट विकसित हुए हैं और अब अधिक परिष्कृत भी हो गए हैं। आज ग्राहक सेवा, ई-कॉमर्स और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में चैटबॉट का इस्तेमाल किया जाता है। वे वेबसाइटों, मैसेजिंग एप्स और अन्य प्लेटफॉर्म पर पाए जा सकते हैं और अक्सर इनका इस्तेमाल जानकारी प्रदान करने, सवालों के जवाब देने और टिकट बुक करने या आरक्षण करने जैसे कार्यों के लिए किया जाता है। कुछ चैटबॉट ज्यादा जटिल संवाद करने में भी सक्षम हैं और समय के साथ अपनी प्रतिक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करते हैं'।

तेजी से परिष्कृत होते चैटबॉट्स के नए सर्च इंजन बनने की संभावना के बारे में पहले ही बहस शुरू हो गई है। अभी चैटजीपीटी सहित अधिकांश चैटबॉट अपने लिए सूचनाएं एक विशाल, लेकिन सीमित दायरे से ही प्राप्त करते हैं। जैसे

,चैटजीपीटी का ताजा संस्करण 2021 के अंत तक संचित हुई सूचनाओं तक सीमित है। मतलब, चैटजीपीटी को साल 2022-23 के बारे में कोई सूचना नहीं है।

कोई शक नहीं कि चैटबॉट अपनी प्रतिक्रिया में कहीं अधिक मुखर हैं और किसी जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि ऐसा करना गूगल या बिंग जैसे सर्च इंजन के लिए मुश्किल है। हालांकि, चैटजीपीटी की इंसानों जैसी प्रतिक्रिया में सूचना स्रोत का जिक्र नहीं होता है और न ही कोई लिंक या उद्धरण दिया जाता है। अभी चैटजीपीटी द्वारा जुटाई गई सूचना उपयोगी भी है और पेचीदा भी, इसकी सत्यता की पुष्टि कठिन है। फिर भी, चैटजीपीटी के साथ आसान बातचीत ने दुनिया भर में धूम मचा दी है। उत्साही लोग तरह-तरह के हजारों सवाल पूछ रहे हैं। हर संवाद के साथ चैटबॉट का भी परीक्षण और प्रशिक्षण चल रहा है। चैटजीपीटी के साथ कोई भी लॉगिन और चैट कर सकता है। हर बातचीत आईटी वैज्ञानिकों के लिए शोध का हिस्सा है।

कुछ लोग चिंतित हैं कि छात्र अपना होमवर्क करने या निबंध लिखने के लिए चैटबॉट का उपयोग करेंगे। चैटबॉट के खूब सारे प्रयोग-उपयोग आने वाले दिनों में सामने आएंगे। हमें सतर्क रहना होगा। एक चैटबॉट सब कुछ नहीं जानता, जबकि इसका इजहार या इसकी अभिव्यक्ति या लेखन इंसानों की तरह ही है। इसकी जानकारी गलत और दोषपूर्ण भी हो सकती है। जरूरी है, हर उपयोगकर्ता हर जानकारी को परख ले और चैटबॉट द्वारा कही गई हर बात आंख मूंदकर न माने। ध्यान रहे, अभी कुछ चैटबॉट गलत बात भी कर रहे हैं, शादी तोड़ने की सलाह भी दे रहे हैं, तो करियर तबाह करने की धमकी भी। ऐसे जवाबों को लेकर बड़ी चिंता है। वैसे इसी तरह की चिंता तब व्यक्त की गई थी, जब गूगल और अन्य सर्च इंजन लॉन्च किए गए थे। अब चैटबॉट के साथ भी हमें सूचना के स्रोतों और तथ्यों के बारे में आश्वस्त होना पड़ेगा।

चैटबॉट्स को अभी भी कई बाधाओं या हदों को पार करना है। चैटबॉट्स के पास उपलब्ध डाटा या सूचनाओं को बढ़ाना है। विशेष चैटबॉट्स के लिए विशेष डोमेन भी मुमकिन है। मिसाल के लिए, एक हेल्थकेयर चैटबॉट केवल मरीजों के लिए हो सकता है, जबकि दूसरा केवल गणित के छात्रों के लिए। कई भाषाओं के विकल्पों के साथ डिजिटल संचार पाठ से आवाज की ओर बढ़ रहा है। डिजिटल दुनिया में हर शब्द स्वरबद्ध होता जा रहा है। एलेक्सा जैसे सर्च इंजन और आवाज आधारित अन्य सहायकों से आगे जाने के लिए, चैटबॉट्स को ज्यादा मात्रा में सूचनाओं की जरूरत पड़ेगी। लोगों की तमाम जिज्ञासाओं को शब्दों से ही नहीं, स-स्वर शांत करना होगा।

चैटबॉट्स, सर्च इंजन व डिजिटल सहायकों के बीच पहले से ही एक स्तर का परस्पर संपर्क स्थापित है। वे एक-दूसरे के पूरक होने लगे हैं। मशीन लर्निंग और स्वर पहचान तकनीक भी तेजी से बदल रही है, जिससे आने वाले दिनों में कई पुराने काम खत्म होंगे, तो कई नए शुरू हो जाएंगे। विज्ञान रुकने वाला नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट में चैटजीपीटी से भी अधिक शक्तिशाली एआई मॉडल विकसित करने पर काम चल रहा है। यह ज्यादा तेज, सटीक और सक्षम होगा।

अभी की बात करें, तो स्पैरो चैटबॉट में चैटजीपीटी की तुलना में कुछ बेहतर विशेषताएं हैं। स्पैरो में स्रोतों का हवाला देने की क्षमता है। जल्दी ही ऐसे चैटबॉट भी उपलब्ध होंगे, जो गलत सवालों को पहचानने में सक्षम होंगे। जैसे अगर कोई पूछेगा कि कार चोरी कैसे करें, तो चैटबॉट मुंह मोड़ लेंगे। ऐसे चैटबॉट की भी बाढ़ आ सकती है, जो चैटिंग से आगे बढ़कर हमारा साथ देंगे। वाकई, समझदारी से अगर इस्तेमाल हुआ, तो चैटबॉट हमारे बहुत काम आएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

इतनी भी अनुशासनहीन नहीं अपनी सड़कों पर दिल्ली

शैलजा चंद्रा, पूर्व मुख्य सचिव, दिल्ली सरकार

इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने यातायात-नियमों का संजीदगी से पालन न करने के कारण दिल्ली को 'अनुशासनहीन' बताया है। उनकी बातों से सहमत होने के बावजूद कुछ बिंदुओं पर असहमति हो सकती है। यह ठीक है कि दिल्ली में हर दिन 21 हजार से अधिक चालान कटते हैं, लेकिन इसकी वजह कुछ और है। यहां सात किस्म की गाड़ियां सड़कों पर दौड़ती हैं और उनको हर जगह जाने की अनुमति है। यहां तक कि आप ऑटो से राष्ट्रपति भवन तक जा सकते हैं। चूंकि यहां दोपहिया, तिपहिया, साइकिल जैसी तमाम छोटी-बड़ी गाड़ियां एक रास्ते पर ही चलती हैं, इसलिए छोटी गाड़ियों पर बड़ी गाड़ियों का दबाव होता है। फिर, लोगों का एकमात्र ध्येय खुद आगे बढ़ना होता है, और वे अपने आस-पास की परवाह नहीं करते। नतीजतन, पुलिस के पास सख्ती दिखाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। इतना ही नहीं, यहां लाल बत्तियों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, इसलिए, नियमों का उल्लंघन करते ही लोगों को मिनटों में मोबाइल पर चालान मिल जाता है। रही बात बेंगलुरु की, तो वहां के हालात दिल्ली से काफी खराब हैं। अव्वल तो यह तुलना ही उचित नहीं, क्योंकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। फिर भी, नारायणमूर्ति को दिल्ली के बारे में अपनी राय जाहिर करने से पहले बेंगलुरु की तस्वीर देखनी चाहिए, जहां वह रहते हैं। वहां काफी ज्यादा ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है, जिस कारण फुटपाथों पर भी बाइक-स्कूटर भागते रहते हैं। सड़कों पर हद से अधिक गड्ढे हैं, जिससे गाड़ियों के खराब होने की आशंका भी अधिक रहती है। फिर, सड़कों पर इतनी आपाधापी है कि बच्चों व बुजुर्गों को काफी दिक्कतें होती हैं। मगर हां, दिल्ली अनुशासनहीन तो है। यहां सड़कों पर गाड़ियों का अत्यधिक बोझ है। यहां सड़कों की क्षमता पर शायद ही कोई ध्यान दे रहा

है, जिस कारण गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन पर कोई पाबंदी नहीं है। दिक्कत यह भी है कि उनमें एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ इतनी होती है कि लाल बत्ती पार करने से भी वे गुरेज नहीं करतीं। ऐसे में, यातायात पुलिस ही है, जो पैदल यात्रियों की सुरक्षा का प्रबंध करती है। हालांकि, उसको भी कुछ विशेष प्रशिक्षण की जरूरत है, क्योंकि इलेक्ट्रिक गाड़ी होने के बावजूद कभी-कभी वह 'पॉल्यूशन सर्टिफिकेट' मांग बैठती है।

कोलकाता भी यातायात-नियमों के मामले में बुरा नहीं है। 2019 में जब मैं वहां गई थी, तभी सड़कों की निगरानी सीसीटीवी से होने लगी थी और उसमें दर्ज नियम-उल्लंघन की घटना के आधार पर चालान काटे जा रहे थे। इस कारण निजी गाड़ियों के ड्राइवर काफी चुस्त रहते थे और सड़क खाली रहने के बावजूद नियत गति से ज्यादा तेज गाड़ी नहीं चलाते थे। नई दिल्ली के मुख्य इलाकों में भी काफी अनुशासन है। वहां यातायात नियमों का पूरा पालन होता है, लेकिन सीमावर्ती और सुदूर के क्षेत्रों में अनुशासनहीनता दिखती है। न्यूयॉर्क, पेरिस, टोरंटो, बॉस्टन जैसे बड़े शहरों का मेरा निजी अनुभव है कि वहां यातायात नियम काफी सख्त हैं। वहां छोटे-छोटे अपराधों के लिए भी आपको 100, 200 या 300 डॉलर तक की रकम चुकानी पड़ सकती है। हमारे यहां जैसी धौंस-पट्टी वहां काम नहीं आती। वहां सड़कों पर पैदल चलने वालों का भी बहुत सम्मान किया जाता है। लाल बत्तियों पर उनके सड़क पार करने के लिए विशेष व्यवस्था की जाती है। दिल्ली में ऐसा नहीं दिखता। यह बच्चों और बुजुर्गों के लिए यकीनन काफी खतरनाक स्थिति है।

आखिर राष्ट्रीय राजधानी की तस्वीर कैसे सुधारी जाए? इसके लिए, सबसे पहले गाड़ियों का निबंधन सीमित करना होगा। हम जितना फ्लाईओवर बनाएंगे, गाड़ियों की संख्या उतनी बढ़ेगी। हमारा मकसद लोगों को गुणवत्तापूर्ण यातायात सुविधा देने का होना चाहिए। इसी तरह, फुटपाथों पर गाड़ियों को पार्क करने का अनैतिक अधिकार भी लोगों से छीनना होगा। यातायात को समग्रता से देखने की जरूरत है, और हर किस्म की गाड़ियों की हर जगह आवाजाही रोकनी होगी। 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' जैसी संकल्पना से भी हमें पार पाना होगा, क्योंकि विदेश में जब लोग पैदल चलना पसंद कर सकते हैं, तो अपने यहां क्यों नहीं?

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आसान नहीं लीथियम उपलब्धता की राह

दिनेश सी. शर्मा

खदान मंत्रालय ने हाल ही में घोषणा की कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने देश में लीथियम और सोने के भंडार खोज निकाले हैं और ऐसे लगभग 51 खनिज ब्लॉक राज्य सरकारों को सौंप दिए गए हैं। लीथियम की महत्ता के कारण यह सूचना भारतीय और विदेशी समाचारपत्रों की सुर्खी बनी। यह खनिज पदार्थ लीथियम-ऑयन बैटरियों का सबसे महत्वपूर्ण घटक है और स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन तक अनेकानेक बैटरियों में प्रयुक्त होता है।

इस खनिज की मांग आगे भी बहुत बढ़ने वाली है क्योंकि विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया जीवाश्म ईंधन से हटकर सतत एवं स्वच्छ ऊर्जा की ओर पहल कर रही है और इस परिवर्तन में एक बड़ी भूमिका लीथियम बैटरियों की है, जो बारम्बार चार्ज होने और लंबे समय तक ऊर्जा का भंडारण करने में सक्षम हैं। इसीलिए लीथियम को अक्सर 'श्वेत सोना' या 'नवीन-तेल' भी कहा जाता है। खदान मंत्रालय ने पहचाने गए भंडारों में जिस भारी मात्रा में लीथियम (5.9 मिलियन टन) होने का जिक्र किया है, उसने विश्वभर को हैरान कर डाला है, क्योंकि अगर यह सच है तो विश्व के लीथियम-नक्शे में भारत 'कुछ भी नहीं' वाले पायदान से उठकर रातों-रात चोटी के 10 देशों में एक हो जाएगा। तो क्या इस घोषणा को लीथियम स्रोत की दौड़ में शामिल होने की औपचारिक प्रविष्टि माना जाए? पर, खुशियां मनाने से पहले जरा गहराई में झांक लें।

खदान मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में प्रयुक्त शब्द दुविधा और विरोधाभास का आभास देते हैं। इसमें कहा गया 'जीएसआई ने पहली बार सत्यापित किया है कि जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के सलाल-हैमाना इलाके में 5.9 मिलियन टन 'लीथियम-इन्फर्ड' स्रोत (जी-3) हैं।' भूविज्ञान शब्दकोश में 'इन्फर्ड' (अनुमानित) विशेषण का प्रयोग उस खनिज स्रोत के लिए किया जाता है जिसकी भूगर्भीय उपस्थिति का तो पता हो, लेकिन उसे अभी एक 'प्रामाणिक' स्रोत नहीं कहा जा सकता और न ही इसके लगातार मिलते रहने का पक्का सुबूत होता है। अब इस 'इन्फर्ड' स्रोत की वास्तविक मात्रा (टनों में) कितनी होगी, गुणवत्ता श्रेणी और खनिज तत्व कितने होंगे, अनुमान के स्तर पर यह बहुत ज्यादा भरोसेमंद नहीं होता।

संयुक्त राष्ट्र वर्गीकरण तंत्र और संबंधित खनिज तत्व नियमावली के तहत किसी खनिज की खोज के चार चरण होते हैं। इसमें जी-4 चरण का मतलब है: टोही-सर्वेक्षण के साथ खनिज होने का अपरोक्ष

सुबूत। जी-3 चरण में अनुमान की व्याख्या का आधार भू-गर्भीय, भू-भौतिकीय, भू-रासायनिक आंकड़े होते हैं। जी-2 चरण उस खनिज स्रोत की निरंतरता के बारे में है और जी-1 चरण का अर्थ है विस्तृत खोज एवं खनन। कुल मिलाकर, भू-विज्ञान शब्दकोश मंच 'इन्फर्ड' से मतलब 'सूचक' या 'नपा-तुला' नहीं है। यदि जीएसआई स्वयं अपनी खोज को जी-3 चरण वाली बता रहा है, तब लीथियम की मात्रा इतनी सटीकता से कैसे बता सकता है? सही सिद्ध होने पर यह भंडार चिली के बाद दुनियाभर में लीथियम का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत होगा।

हालांकि, दावा किया जा रहा है कि कश्मीर में 'खोज पहली मर्तबा है', परंतु इससे पहले, 1990 के दशक में भी, कश्मीर में लीथियम उपस्थिति के आरंभिक संकेत मिले थे और यह निष्कर्ष 800 से ज्यादा नमूनों के परीक्षण पर आधारित था, उस वक्त जीएसआई का कहना था कि 'इस सारी पट्टी में (जहां कहीं बॉक्साइट के उघड़े उर्ध्व-पार्श्व दिखाई देते हैं) वहां पर उच्च-मूल्य लीथियम भी है और बॉक्साइट वाला यह परिदृश्य रियासी जिले के सलाल-रनसूह क्षेत्र में सबसे अधिक है। इससे विभाग को लगा कि इस इलाके में लीथियम होने की 'काफी संभावना' है। यह रिपोर्ट 1999 में तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को सौंपी गई थी। यह वही क्षेत्र है जिसको लेकर जीएसआई ने इस साल, फिर से, लीथियम की उपस्थिति होने की सूचना दी है और दावा 'पहली बार' खोज का किया जा रहा है। हाल तक, यानी जुलाई, 2022 में भी, सरकार को कश्मीर में लीथियम भंडार की संभावना का कुछ इल्म नहीं था। जब संसद में देश में लीथियम की उपस्थिति होने के बारे सवाल पूछा गया तो सरकारी जवाब में इसे अनुपस्थित बताया गया। भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग यह भी कह रहा है कि उसने खोज सत्र 2022-23 में अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, नागालैंड और राजस्थान में 18 लीथियम खोजी अभियान चलाए हैं।

ऊर्जा प्राप्ति में स्रोत परिवर्तन और परिवहन को इलेक्ट्रिक वाहन के जरिए करने की ध्येयपूर्ति में भारत के लिए लीथियम की महत्ता के मद्देनजर सरकार को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि लीथियम की स्वदेशी उपलब्धता कितनी है। किसी दुर्लभ खनिज की खोज, खोद निकालने, प्रसंस्करण और उत्पादन के लिए ढांचागत क्षमता बनाने में कई दशक लग सकते हैं।

यह हमें आजादी उपरांत स्वदेशी परमाणु ऊर्जा विकसित करने लिए जरूरी खनिजों के मामले में भी दिखा था। पहले कदम के तौर पर, 1948 में होमी जे. भाभा की अध्यक्षता में परमाणु ऊर्जा आयोग का गठन हुआ। फिर केरल से मोनाजाइट नामक खनिज का निर्यात रोक दिया गया ताकि इससे स्वदेशी थोरियम निकाला जा सके। इसके लिए भारतीय दुर्लभ खनिज लिमिटेड नामक एक नई सार्वजनिक उपक्रम इकाई 1950 में बनाई गई। इसी समय होमी भाभा ने परमाणु खनिज निदेशालय स्थापित किया ताकि परमाणु कार्यक्रम के लिए जरूरी खनिजों की खोज हो सके। हवाई सर्वेक्षण टोही कार्यक्रम की शुरुआत भी हुई। आणविक ईंधन की पुनरुत्पत्ति हेतु हैदराबाद में परमाणु ईंधन परिसर स्थापित किया गया। होमी भाभा को अहसास हो गया था कि आपस में जुड़ी इन तमाम विधाओं में तकनीकी क्षमता पाए बगैर भारत अपनी परमाणु ऊर्जा रिएक्टर योजना में आगे नहीं बढ़ सकता। यह परमाणु खनिज निदेशालय था, जिसने कुछ साल पहले कर्नाटक में लीथियम की उपस्थिति खोज निकाली थी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

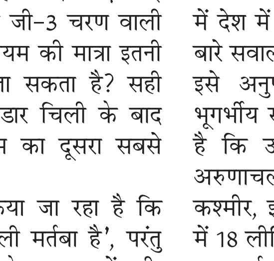

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

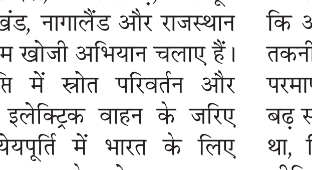

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

देर रात ट्रक-पिकअप की भिड़ंत में 11 लोगों की मौत, 15 से ज्यादा घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा हाइवे पर बीती रात बड़ा हादसा हो गया। पिकअप व ट्रक की भिड़ंत में 11 लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस हादसे में 15 से ज्यादा घायल हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा इतना भयानक था कि पिकअप बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना के बाद मौक पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शवों को मरच्यूरी में रखवाया गया है।

बताया जा रहा है पिकअप सवार सभी पारिवारिक कार्यक्रम से लौट रहे थे इसी दौरान यह हादसा हो गया। सीएम भूपेश बघेल ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। मिली जानकारी के अनुसार घटना गुरुवार देररात की है। मिली जानकारी के अनुसार बलौदाबाजार के खिलोरा से साहू परिवार के सदस्य पिकअप में सवार होकर अर्जुनी गांव गए थे। देर रात वे पिकअप से ही वापस लौट रहे थे।

परिवार के सभी लोग पिकअप में सवार हुए। इसमें बच्चे व महिलाएं भी सवार थी। भाटापारा-बलोदाबाजार रोड़ पर खमरिया में DPWS स्कूल के पास पिकअप को ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई इनमें से 7 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और चार की मौत जिला अस्पताल में इलाज के दौरन हो गई। मृतकों में जिसमें 4 बच्चे भी शामिल हैं। हादसे के बाद घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को रायपुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू का काम शुरू किया। वहीं ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

सीएम बघेल ने जताया दुख

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बलौदाबाजार भाटापारा मार्ग में बीती रात सड़क हादसे में ग्यारह लोगों की मृत्यु पर गहरा दुःख प्रकट किया है। उन्होंने मृतकों के परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को इस घटना के घायलों को इलाज की बेहतर से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने और मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ में निर्मित भवनों में ऊर्जा दक्षता और कूल रूफ संबंधी तकनीक को बढ़ावा देने की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में निर्मित भवनों में ऊर्जा दक्षता और कूल रूफ संबंधी तकनीक को साझा करने तथा इस क्षेत्र में प्रदेश के संबंधित विभागों, संस्थानों, तकनीकी व्यक्तियों, रियल इस्टेट कंपनियों आदि की इस विषय पर दक्षता निर्माण करने हेतु क्रेडा ने अमेरिका स्थित एनआरडीसी के ग्लोबल हेड एवं एडमिनेसट्रेटीव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ए.एस.सी.आई.) के मध्य दिल्ली में एक करारनामा (एम.ओ.यू.) किया है।

क्रेडा की ओर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आलोक कटियार ने इस करारनामा में हस्ताक्षर किया है। इसके तहत छत्तीसगढ़ के भवनों में ऊर्जा दक्षता को सुधारने एवं उसकी गति बढ़ाने के लिये तकनीकी सहयोग एवं सलाह दी जावेगी। जिसके लिये कोई भी धनराशि नहीं प्रदान करनी होगी। इस प्रायोजन हेतु वर्कशॉप सेमीनार ट्रेनिंग विषय विषेशज्ञों का भ्रमण आदि क्रियाकलाप एन.आर.डी.सी. के द्वारा आयोजित किये जावेंगे। एन.आर.डी.सी. के द्वारा एर्नजी एफीसियेनशी बिल्डिंग कोड़ (ई.सी.बी.सी.) एवं कूल रूफ प्रोग्राम को छत्तीसगढ़ में लागू करने एवं तकनीकी सुविधा तथा प्रदर्शन उपलब्ध कराने का काम करेगी।

प्रदेश में ऊर्जा दक्ष व्यावसायिक भवनों का निर्माण छत्तीसगढ़ ईसीबीसी के अन्तर्गत किया जायेगा। इस हेतु सीजीईसीबीसी कोड को पालन करने वाले ऊर्जा दक्ष भवनों के डिजाइन तैयार करने एवं निर्माण हेतु तथा भवन निर्माण की स्वीकृति की प्रक्रिया के साथ साथ भवन निर्माण के दौरान और निर्मित हो जाने के पश्चात छत्तीसगढ़ ईसीबीसी के पालन की पुष्टि हेतु थर्ड पार्टी ऐसेसर इकाईयों को प्रशिक्षण दे कर प्रदेश में ही इस क्षमता का निर्माण किया जा सकेगा।

हैदराबाद में स्थित एडमिनेसट्रेटीव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ए.एस.सी.आई) जिसने तेलंगाना व देश के अन्य प्रदेशों में ऊर्जा दक्ष भवनों के क्षेत्र में क्षमता निर्माण का महती कार्य किया है। इनके सहयोग से छत्तीसगढ़ में भी ये क्षमता निर्माण संभव होगा। इससे प्रदेश में ही उपलब्ध तकनीकी अमले को प्रशिक्षित किया जा सकेगा।

खास खबर

माध्यमिक शिक्षा मण्डल हेल्पलाईनः विद्यार्थियों को छोटे-छोटे पैरा में याद कर उसे लिखने का दिया सुझाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा परीक्षा से पूर्व बच्चों, पालकों की समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पलाईन शुरू की गई है। हेल्पलाईन के टोल-फ्री नम्बर 18002334363 पर रविवार और शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक दो पालियों में निरंतर विद्यार्थियों, पालकों, शिक्षकों द्वारा अपनी समस्याएं बतायी जा रही है, जिसका मण्डल द्वारा त्वरित समाधान किया जा रहा है। हेल्पलाईन टोल-फ्री नम्बर पर आज समस्या समाधान के तहत 125 फोन कॉल आए। हेल्पलाईन में आज मनोवैज्ञानिक सुश्री अंजू पॉल और सहायक प्राध्यापक श्रीमती रीता चौबे ने मनोवैज्ञानिक के तौर पर संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। विद्यार्थियों को छोटे-छोटे पैरा में याद कर, फिर उसे लिख कर याद करने का सुझाव दिया गया। विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक से ही परीक्षा की तैयारी करने के लिए कहा गया। परीक्षा के पूर्व स्वस्थ्य रहने के लिए पौष्टिक भोजन, भरपूर नींद और निरंतर पानी पीने की सलाह दी गई।

छात्रवृत्ति पोर्टल पर बैंक खाता अपडेट करने के लिए 10 मार्च तक पोर्टल ओपन

कोरबा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वर्ष 2021-22 अंतर्गत असफल भुगतान वाले विद्यार्थीगण पोर्टल में 10 मार्च तक त्रुटि सुधार कर सकते हैं। वर्ष 2021-22 में कुछ विद्यार्थियों द्वारा पोर्टल पर गलत बैंक खाता नंबर, गलत आईएफएससी कोड अंकित करने तथा बैंक खाता नंबर अस्थायी रूप से बंद होने के कारणों से छात्रवृत्ति का भुगतान असफल हो गया है। ऐसे विद्यार्थियों को दूरभाष पर मैसेज एवं ई-मेल के माध्यम से सूचना दी गई है। किंतु आज तक विद्यार्थियों द्वारा पोर्टल पर त्रुटि सुधार नहीं किया गया है।

सीएम बघेल की घोषणा पर अमल

जशपुर में बनी एकलव्य खेल अकादमी पढ़ाई के साथ अब सीख रहे तीरंदाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर । छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में 91 लाख 98 हजार की लागत से एकलव्य खेल अकादमी तीरंदाजी केन्द्र शुरू किया गया है। जिले के दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों व वनांचलों के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के प्रतिभावान छात्रों की प्रतिभा को निखारने एवं उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए रंजीता स्टेडियम के परिसर में तीरंदाजी केन्द्र एवं एकलव्य खेल अकादमी का संचालन किया जा रहा है। जहां चयनित बच्चों को अध्ययन, प्रशिक्षण एवं आवास की निःशुल्क सुविधा प्रदान की जा रही है। बता दें छत्तीसगढ़ में खेल गतिविधियों के विकास एवं खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए राज्य शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत विगत चार वर्षों के दौरान स्थापित विभिन्न खेल अकादमियों ने सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

इस दरम्यान आए कोरोना संकट के बावजूद राज्य में नयी खेल अकादमियों की स्थापना की तैयारियां एवं खेल-गतिविधियां निरंतर चलती रही हैं। जब राज्य में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में नयी सरकार बनी तब खेल-कूद के क्षेत्र में अपनी प्राथमिकताएं तय करने हुए शासन ने राज्य में खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया था। मुख्यमंत्री ने इसके लिए सभी तरह की विश्वस्तरीय अधोसंरचना के निर्माण का वादा किया था। मुख्यमंत्री भूपेश जशपुर जिले में 91 लाख 98 हजार की लागत से एकलव्य खेल अकादमी तीरंदाजी केन्द्र की घोषणा की थी। सीएम की घोषणा पर अमल करते हुए यहां तीरंदाजी केन्द्र शुरू कर दिया गया है।

तीरंदाजी, ताईक्कांडो और तैराकी का प्रशिक्षण

अकादमी में तीरंदाजी, ताईक्कांडो और तैराकी के 10-10 बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पहाड़ी और दूरस्थ अंचल के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समूह के बच्चों के चयन को प्राथमिकता दी गई है। उल्लेखनीय है कि संस्थान में तीरंदाजी, ताइक्कांडो एवं तैराकी विधा शामिल हैं। जिसके अंतर्गत कुल 30 छात्रों का चयन हुआ है। खिलाड़ियों की प्रतिभा को तराशने के लिए अकादमियों में अच्छी खेल अधोसंरचनाओं के साथ-साथ अच्छे प्रशिक्षकों की तैनाती भी की गई है। इन दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों व वनांचलों के पहाड़ी कोरवा छात्रों को ओलंपिक, कॉमनवेल्थ एवं राष्ट्रीय खेल जैसे अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खेल प्रतिस्पर्धाओं में अच्छे प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध खेल प्रशिक्षकों के माध्यम से भी प्रशिक्षण देने की पहल की जा रही है।

खेलों के विकास में उद्योगों से भी सहयोग

वर्ष 2019 के बाद से राज्य शासन द्वारा खेल-विभाग के माध्यम से खेल अकादमियों की स्थापना, अधोसंरचना तथा बेहतर सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कदम उठाए गए हैं। छत्तीसगढ़ खेल विकास प्राधिकरण के अंतर्गत राज्य में उद्योग समूहों के माध्यम से भी कई खेल अकादमियां शुरू की जा रही हैं। जिंदल उद्योग समूह द्वारा रायपुर में शूटिंग अकादमी, बीएसपी द्वारा नारायणपुर में मलखम्ब अकादमी, गोपाल स्पंज एवं फिल इस्पात द्वारा बिलासपुर कबड्डी अकादमी तथा कोरबा में फुटबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बालीबॉल की अकादमी का बाल्को के सहयोग से संचालन किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा खेल अकादमियों में शैक्षणिक व्यय, भोजन, आवास, खेल परिधान, आधुनिक प्रशिक्षण, बीमा, डाइट आदि की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

छत्तीसगढ़ सरकार राजस्थान के कोटा में बनाएगी छात्रावास, देशभर के स्टूडेंट्स को मिलेगी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

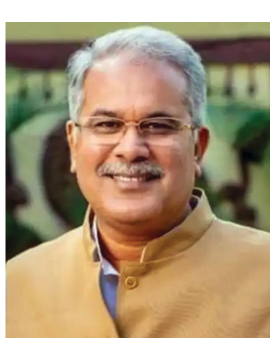

रायपुर। देश के एजुकेशन हब के रूप में विख्यात राजस्थान के कोटा शहर में छत्तीसगढ़ सरकार छात्रावास का निर्माण करेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर उन्हें अवगत कराया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार राजस्थान के कोटा में कोचिंग करने वाले राज्य के छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए छात्रावास बनाना चाहती है।

इसके लिए सीएम बघेल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री से निःशुल्क भू-खण्ड आबंटित करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने पत्र में लिखा है कि राजस्थान के कोटा में विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश के लिए कोचिंग की अच्छी व्यवस्था होने के कारण छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में कोचिंग प्राप्त करने के लिए कोटा, राजस्थान जाते हैं। छत्तीसगढ़ शासन इन छात्र-छात्राओं के लिए कोटा में एक छात्रावास का निर्माण करना चाहता है। बघेल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत से कोटा में किसी ऐसे स्थान पर छत्तीसगढ़ शासन को निःशुल्क लगभग 01 एकड का भूखण्ड आबंटित करने का आग्रह किया है, जहां से कोचिंग संस्थाओं की दूरी अधिक न हो। उक्त स्थल पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सर्व सुविधायुक्त छात्रावास का निर्माण कराया जाएगा जो देशभर के छात्र-छात्राओं के लिए फायदेमंद होगा।

मुख्यमंत्री ने संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिलने पर डॉ. ममता चंद्राकर को दी बधाई

रायपुर । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका, पद्मश्री सम्मान से सम्मानित और इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की कुलपति डॉ. मोक्षदा (ममता) चंद्राकर को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. मोक्षदा ममता चंद्राकर को आज नई दिल्ली में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि डॉ. मोक्षदा (ममता) चंद्राकर ने लोक कला संगीत के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

दोषारोपण नहीं आत्ममंथन का वक्त

श्रीकंचनपथ

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है. समुद्र मंथन में अमृत के साथ ही विष भी निकला था. विष ने जहां सबको पीड़ा पहुंचाई वहीं अमृत ने उन्हें लड़ा दिया. शिवजी ने विष को अपने कंठ में धारण कर लिया. इसके बाद क्रमशः कामधेनु, उच्चैःश्रवा घोड़ा, ऐरावत हाथी, कौस्तुभमणि, कल्पवृक्ष, अप्सरा रम्भा, महालक्ष्मी, वारुणी, चन्द्रमा, पारिजात वृक्ष तथा शंख निकले. अन्त में धन्वन्तरि वैद्य अमृत का घट लेकर प्रकट हुये. समुद्र मंथन के लिए विष्णु ने कच्छप अवतार लिया था और मन्दराचल पर्वत को अपनी पीठ पर धारण कर उसे मथनी बनाया था. वासुकी नेती बनकर मथनी की रस्सी बने. सुर और असुरों ने वासुकी को सिर और पूंछ की तरफसे पकड़ा और मथनी घुमाई. समुद्र मंथन की यह कथा राजनीति की संभवतः सबसे पुरानी कथा है. समुद्र मंथन के लिए 'सबका साथ, सबका विकास' का पासा फेंका गया. सुर-असुर दोनों के सहयोग से मंथन हुआ. असुरों को अमृत में उलझा कर रखा गया जबकि समुद्र मंथन से निकले अन्य रत्नों को देवताओं ने रख लिया. कामधेनु को ऋषियों ने रख लिया, ऐरावत को इंद्र ने, कौस्तुभमणि को भगवान विष्णु ने रख लिया. कल्पवृक्ष और अप्सरा रम्भा को देवलोक में रख लिया गया. महालक्ष्मी विष्णु की हो गई. चन्द्रमा, पारिजात और शंख भी देवलोक के हो गए. असुरों के हिस्से में उच्चैःश्रवा घोड़ा आया जिसे असुरराज बलि ने रख लिया. असुरों के हिस्से में अप्सरा वारुणी आई. अन्त में अमृतकलश लेकर भगवान धन्वन्तरी निकले. दुर्वासा के श्राप से शक्तिहीन हो चुके देवताओं में इसे असुरों से छीनने की शक्ति नहीं थी. लिहाजा विष्णु मोहिनी रूप में आए और असुरों को भ्रमित कर अमृत देवताओं को पिला दिया. असुरों की सबसे बड़ी भूल यह थी कि वे आपस में लड़ने लगे. यह भी कहा जा सकता है कि उन्हें आपस में लड़ा दिया गया. अब इस लड़ाई को भूलने का वक्त आ गया है. समुद्रमंथन में सुर और असुर दोनों की शक्ति लगी थी. मंथन से जो कुछ भी निकला उसपर दोनों का बराबर का अधिकार था. ऐसा ही आजादी के आंदोलन के साथ भी हुआ. इसमें सबकी भूमिका थी. सभी को इसका लाभ मिले, इसे सुनिश्चित करने के लिए लोकतंत्र को अपनाया गया. ऐसा संविधान बनाया गया जिसमें सबको समान अधिकार मिल सके. इसके बाद देश में मंथन चलता रहा और अब जबकि अमृत कलश बाहर आया है तब एक बार फिर मोहिनी सामने है. यह एक भ्रम मात्र है जिसमें मोहिनी मिलनी किसी को नहीं है. वह तो विष्णु का रूप है. सुर-असुर कोई अलग-अलग लोग नहीं हैं. ये दोनों ही गुण हैं जो सभी में हैं. असुर जागता है तो सुर कमजोर पड़ जाता है और जब सुर प्रबल होता है तो असुर छुट्टी पर चला जाता है. वक्त है मोहिनी के छलावे को समझने की. यह एक मृगमरीचिका है जिसके पीछे लोग केवल भागते ही रह जाते हैं. जरूरत है ठंडे दिमाग से सोचने की।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

शहरों की दौड़-भाग भरी जिंदगी में सुकून दे रही है मितान योजना

51 हजार लोगों के घर पहुंचा मितान, घर बैठे मिल रहे जन्म, मृत्यु, विवाह, मूल निवास सहित 13 प्रकार के प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहरों की दौड़-भाग भरी जिंदगी में लोगों को मुख्यमंत्री मितान योजना के जरिए बड़ी राहत मिल रही है। शासकीय काम-काज के लिए जरूरी दस्तावेज जैसे जन्म, मृत्यु, मूल निवासी, विवाह आदि प्रमाण पत्र अब लोगों को इस योजना के जरिए आसानी से और घर बैठे ही मिल रहे हैं। मितान 51 हजार से अधिक लोगों के घर दस्तावेज लेकर पहुंचा चुके हैं। इन प्रमाणपत्रों के लिए लोगों को केवल टोल फ्री नम्बर 14545 अप्वाइंटमेंट बुक कराना होता है। इसके बाद मितान घर आकर प्रमाण पत्र के लिए जरूरी कागजात लेकर जाते है और प्रमाण पत्र तैयार होने के बाद घर पहुंचा देते है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा 01 मई 2022 से प्रदेश के समस्त 14 नगर निगमों में शुरू की गई मुख्यमंत्री मितान योजना में अब तक लगभग 62 हजार लोगों ने शासकीय दस्तावेज घर पर प्राप्त करने के लिए अप्वाइंटमेंट बुक कराया है, वहीं दूसरी तरफ 51 हजार से अधिक नागरिकों ने घर बैठें ही अपने जरूरी शासकीय दस्तावेज प्राप्त किए हैं। इस योजना में लगभग 01 लाख 25 हजार से अधिक नागरिकों ने मितान योजना के टोल फ्री नम्बर 14545 पर सम्पर्क कर शासकीय दस्तावेजों को प्राप्त करने के संबंध में जानकारी हासिल की है।

मितान योजना में 13 प्रकार की सेवाएं दी जा रही है। भविष्य में इन सेवाओं को और बढ़ाने की योजना है। वर्तमान में जन्म प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र में सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार, मूल निवासी प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र, दुकान और स्थापना पंजीकरण संबंधी दस्तावेज, भूमि की रिकार्ड की नकल, भूमि सूचना (भूमि उपयोग), आधार कार्ड पंजीकरण, (5 वर्ष तक के बच्चों का) आधार कार्ड में पता एवं मोबाइल नंबर में सुधार, पैन नम्बर प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र, पैन अपडेट एवं डुप्लीकेट इत्यादि सेवाएं दी जा रही हैं।

ऐसे लिया जा सकता है लाभ

मुख्यमंत्री मितान योजना से लाभान्वित होने के लिये आवेदक मितान की सेवा के लिये टोलफ्री नंबर 14545 पर कॉल करता है। इसके बाद अप्वाइंटमेंट बुक किया जाता है। अप्वाइंटमेंट बुक करने के बाद आवेदक को बुकिंग की जानकारी के साथ एक एसएमएस प्राप्त होता है। इसके बाद तय समय और तारीख को मितान आवेदक के घर पहुंचकर जरूरी दस्तावेज प्राप्त करते हैं। मितान घर पहुंचकर टैबलेट के माध्यम से दस्तावेजों को सत्यापित कर पोर्टल पर अपलोड करते हैं। इसके बाद सत्यापित दस्तावेजों को संबंधित विभागों को ऑनलाइन भेजे जाते हैं जो आवेदक से संबंधित दस्तावेज की समीक्षा के बाद प्रमाण पत्र जारी करते हैं। प्रमाण पत्र जारी होने के बाद मितान एजेंट द्वारा प्रमाण पत्र आवेदक के घर पहुंचा दिया जाता है।

खास खबर...

शिविर में विभिन्न प्रकरणों के कुल 209 में से 104 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

आरंग तहसील के राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु तहसील कार्यालय में लगाया गया शिविर

रायपुर। कलेक्टर डॉ.सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देश पर आरंग तहसील के आमजनों से राजस्व संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए सुबह 10 बजे से राजस्व शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में राजस्व प्रकरणों- नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, किसान किताब, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र , निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य राजस्व से संबंधित प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ.भूरे ने हितग्राहियों को प्रमाण पत्र और किसान किताब का वितरण भी किया। आयोजित शिविर में कई हितग्राहियों के प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ साथ अपर कलेक्टर गजेन्द्र ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी(रा.) अतुल विश्वकर्मा, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

आज आयोजित शिविर में विभिन्न प्रकरणों के कुल 209 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें 104 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया और 105 आवेदन प्रक्रियाधीन है। शिविर में आज नामांतरण प्रकरण के 23 प्राप्त आवेदनों में 04 निराकृत किए गए और 19 प्रक्रियाधीन है।इसी तरह बटवारा प्रकरण के 09 में से 02, किसान किताब के पूरे 17 प्रकरण, जाति,निवास और आय प्रमाण पत्र के 39 में से 36,सीमांकन और बटाकंन के 12 में से 03,बंदोबस्त त्रुटि सुधार के 12 में से 01,त्रुटि सुधार के 17 में से 08 और जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के 05 में से 03 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया।इसी तरह विविध के 75 आवेदनों में से 30 का निराकरण मौके पर किया गया।

लाउडस्पीकर सहित अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के लिए लिखित पूर्वानुमति आवश्यक

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक लेकर आज नगर निगम रायपुर की सीमा के अंतर्गत ध्वनि विस्तारक यंत्रो के प्रयोग आगामी आदेश तक प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्कूल एवं महाविद्यालयीन परीक्षाओं तथा लोक शांति को दृष्टिगत रखते हुए कोलाहल अधिनियम 1985 की धारा 04 एवं धारा 05 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए नगर निगम रायपुर की सीमा के अंतर्गत विना लिखित पूर्वानुमति के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग को आगामी आदेश तक प्रतिबंधित किया है। आदेश का उल्लंघन करने पर नगर निगम और पुलिस विभाग को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल रायपुर नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश छिकारा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्रामः राज्य के 5 लाख असाक्षरों को साक्षर किए जाने का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में राज्य के 5 लाख असाक्षरों को साक्षर किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 50 हजार स्वयंसेवी शिक्षक तैयार किए जाएंगे। आकांक्षी जिलों एवं कम साक्षरता दर वाले जिलों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। इस योजना में बुनियादी साक्षरता संख्या ज्ञान के अलावा महत्वपूर्ण जीवन कौशल जैसे वित्तीय साक्षरता डिजिटल साक्षरता कानूनी व चुनावी साक्षरता स्वास्थ्य स्वच्छता व्यावसायिक कौशल बुनियादी शिक्षा एवं सतत शिक्षा इत्यादि विशेष जागरूकता के कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम की प्रोजेक्ट अप्रूवल कमेटी की बैठक में राज्य की ओर से स्कूल शिक्षा विभाग के विशेष सचिव एवं राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के संचालक राजेश सिंह राणा ने वर्ष 2023-24 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के केंद्रीय सचिव संजय कुमार और संयुक्त सचिव सुश्री अर्चना शर्मा अवस्थी की उपस्थिति में आज वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने राज्यों की कार्य योजना प्रस्तुत की। श्री राणा ने बताया कि राज्य में न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक उम्र के शिक्षकों का सर्वे कराया जाएगा। सर्वे कराए जाने के बाद उन्हें राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा तैयार प्रवेशिका और अन्य सामग्री की सहायता से ऑनलाइन अध्यापन कराया जाएगा। इसके लिए एससीईआरटी में राज्य साक्षरता केंद्र का विशेष सेल गठित किया गया है।

श्री राणा ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में इसका क्रियान्वयन किया जाएगा। राज्य में असाक्षरों को आगामी 5 वर्षों में शत-प्रतिशत साक्षर करने का लक्ष्य रखा गया है। इस हेतु सभी जिलों को जिलेवार लक्ष्य तय किया जा रहा है। बैठक में श्री राणा के अलावा प्राधिकरण के सहायक संचालक प्रशांत पांडेय और दिनेश कुमार टांक उपस्थित थे।

राज्य के सभी रीपा में स्थापित होंगे ग्रामीण तकनीकी केन्द्र

रायपुर (ए)। मुख्यमंत्री की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की संकल्पना को साकार करने के लिए राज्य के सभी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के सहयोग से ग्रामीण तकनीकी केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य के 300 गौठानों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए राज्य शासन द्वारा प्रथम किस्त के रूप में 300 करोड़ रुपए की स्वीकृति भी दी गई है। कई गौठानों में रीपा का निर्माण पूरा हो चुका है और वहां विभिन्न ग्रामीण उद्योग संचालित किए जा रहे हैं। यहां ग्रामीण तकनीकी केन्द्र स्थापित कर ग्रामीण युवाओं को विभिन्न रोजगार-व्यवसाय का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन केन्द्रों में फल सब्जियों और लघु वनोपजों के विभिन्न उत्पाद तैयार करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।

राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह की अध्यक्षता में हुई योजना आयोग की बैठक में रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में मुख्य ग्रामीण तकनीकी केन्द्र बनाने का निर्णय लिया गया। सभी रीपा में ग्रामीण तकनीकी केन्द्र की स्थापना को लेकर बार्क के अधिकारियों ने अपनी सहमति दी है। बैठक में गोबर से विद्युत उत्पादन की इकाईयों के विस्तार पर भी चर्चा की गई। राज्य योजना आयोग की बैठक में बार्क के अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण तकनीकी केंद्र में युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जुड़ने का प्रोत्साहन दिया जाएगा। इन केन्द्रों में फल-सब्जी और वनोपजों से विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री बनाने की विधि एवं अन्य विधाओं के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने नवीन कृषि अनुसंधानों की जरूरतः डॉ. चंदेल

कृषि छात्रों ने जलवायु परिवर्तन की दुष्प्रभावों तथा नियंत्रण के उपायों को जाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन आज विश्व की समक्ष एक बहुत बडी चुनौती है जिसका पर्यावरण, पारिस्थितिकीतंत्र तथा सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था पर गहन प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मानव सहित जीव-जन्तुओं की सभी प्रजातियां प्रभावित हो रही है तथा पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। बढ़ते तापमान, घटती वर्षा तथा मौसमचक्र में परिवर्तन से फसलों का उत्पादन कम होने की आशंका है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को नये अनुसंधान कर विभिन्न फसलों की जलवायु लचीली नवीन किस्मों का विकास करना होगा। डॉ. चंदेल कृषि महाविद्यालय रायपुर के सभा कक्ष में आयोजित 6 दिवसीय कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम के समापन दिवस पर ''जलवायु परिवर्तन के दौर में स्थायी विकास'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में त्रिशांत देव तथा पुष्कर प्रसून ने विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, इनसे पडने वाले दुष्प्रभाओं तथा जलवायु परिवर्तन के नियंत्रण हेतु वैश्विक स्तर पर किये जा रहे प्रसायों के बारे में जानकारी दी।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता त्रिशांत देव ने छात्रों को बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया को आने वाले वर्षों में गंभिर समस्याओं का सामना करना पडेगा। दुनिया के कुछ हिस्सों में बहुत ज्यादा गर्मी और कुछ हिस्सों में बहुत ज्यादा ठंड पडने की संभावना है, इसी प्रकार कहीं अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ तो कहीं कम वर्षा के कारण सूखा पडने की आशंका है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मीथेन, कार्बन डाईऑक्साईड तथा सल्फर डाईऔक्साईड जैसी गैंसों का उत्सर्जन बढ़ेगा। ग्लेशियर के पिघलने से समुद्र का स्तर बढ़ने से कई तटवर्तीय शहरों के डूबने की आशंका है। बढ़ते तापमान एवं लू चलने से फसलों का उत्पादन प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष उत्तर भारत के कुछ राज्यों में फरवरी में ही तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड पहुंचने से गेहूं के उत्पादन में 10 प्रतिशत तक कमी आने की आशंका वैज्ञानिकों द्वारा व्यक्त की गई है। सूखा पडने से पीने के पानी की कमी होगी तथा अनेक खतरनाक बैक्टिरिया एवं वायरसजनित रोगों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में दुनियाभर के वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री तथा समाजशास्त्री चिंतित हैं तथा इस संबंध में वैश्विक स्तर पर अनेक प्रयास किये जा रहे हैं, जिनमें क्योटो प्रोटोकॉल, पैरिस प्रोटोकॉल, नगोया प्रोटोकॉल आदि शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोकने में विभिन्न देशों की सरकारें, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, वैज्ञानिकों के साथ ही आम जनता को भी अपनी भूमिका सुनिश्चित करनी होगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. जीके दास थे और अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ संजय शर्मा ने की।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में संचालित कैरियर डेव्हलपमेंट सेन्टर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना, भारतीय कृषि प्रबंधन अकादमी, के सहयोग से कृषि विद्यार्थियों के लिए ''कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास'' के तहत छह दिवसीय परिसंवाद श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस छह दिवसीय परिसंवाद श्रृंखला के तहत 16 से 23 फरवरी, 2023 तक कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया गया। परिसंवाद श्रृंखला के अंतर्गत प्रथम दिवस 'खेलकूद से स्वस्थ समाज का निर्माण' विषय पर डॉ. चन्द्रकांत आगाशे द्वारा विद्यार्थियों को व्याख्यान दिया गया। द्वितीय दिवस 'रोजगार के भावी स्वरूप पर आधारित कौशल विकास' विषय पर अरविंद अग्रवाल द्वारा विशेष व्याख्यान दिया गया था। परिसंवाद श्रृंखला के तृतीय दिवस 'स्थायी विकास में विश्वशांति की भूमिका' विषय पर डॉ. आर.के. पुरोहित द्वारा व्याख्यान दिया गया। चतुर्थ दिवस छबिराम साहू द्वारा 'योग एवं आयुर्वेद आधारित युवा विकास' विषय पर व्याख्यान दिया गया। परिसंवाद श्रृंखला के पांचवे दिन डॉ. सुभाष चन्द्राकर ने 'लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी' विषय पर व्याख्यान दिया गया। गूगल फॉम के तहत पंजीकृत प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस परिसंवाद श्रृंखला का यूट्यूब पर भी लाईव टेलीकास्ट भी किया गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

खास खबर

मार्क एंटनी के सेट पर बाल-बाल बचे कलाकार

तमिल अभिनेता विशाल अपनी फिल्म मार्क एंटनी की शूटिंग के दौरान बाल-बाल बच गए। यह तब हुआ जब सेट पर एक ट्रक नियंत्रण खो बैठा और अभिनेता और उनके सह-अभिनेताओं की ओर बढ़ गया। ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होने के कगार पर था, जहां विशाल सहित अभिनेता मौजूद थे। गनीमत रही कि उनमें से हर एक बाल-बाल बच गया। योजना के अनुसार, ट्रक को एक दीवार से टकराना था और फिर रुकना था, लेकिन दीवार गिर गई और ट्रक नियंत्रण खो बैठा और उस क्षेत्र की ओर बढ़ गया जहां कलाकार मौजूद थे।

विशाल ने अपने ट्वीट में कहा, बस कुछ सेकंड और कुछ इंच से मेरी जान बची, ईश्वर को धन्यवाद। इस घटना के बाद मैंने शूटिंग में वापसी की। अधिक रविचंद्रन द्वारा निर्देशित फिल्म में एसजे सूर्या ने एक शानदार भूमिका निभाई है, जिसके बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध स्टंट निर्देशक पीटर हेन, ढिलिप सुब्बारायण, कमल कन्नन और रवि वर्मा के साथ मिलकर एक्शन सीन कर रहे हैं। विशाल और एसजे सूर्या के अलावा, कलाकारों में अभिनय, रितु वर्मा और सुनील वर्मा शामिल हैं।

अमिताभ बच्चन, टाइगर श्रॉफ की फिल्म गणपथ 20 अक्टूबर को रिलीज होगी

आने वाली डायस्टोपियन एक्शन फिल्म गणपथ ने अपनी रिलीज डेट बुक कर ली है। बुधवार को फिल्म के निर्माताओं ने टाइगर श्रॉफ के दमदार अवतार में एक पावर-पैक वीडियो के साथ फिल्म की रिलीज की तारीख का खुलासा किया। यह फिल्म 20 अक्टूबर को दशहरे के आसपास पांच भाषाओं- हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और तेलुगु में रिलीज होगी।

टाइगर श्रॉफ को हाल ही में मुंबई में अपने बाजू पर नया टैटू गुदवाते हुए देखा गया था, जो रिलीज की तारीख की घोषणा के लिए बड़ा खुलासा था। फिल्म में कृति सैनॉन और दिग्गज सुपरस्टार अमिताभ बच्चन भी हैं, जो फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगे। यह पहली बार होगा जब दर्शक अमिताभ बच्चन और टाइगर श्रॉफ को एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर देखेंगे।

इस अवसर पर, निर्माता जैकी भगनानी ने कहा- मैं हमेशा से इस नई दुनिया को सिनेमा के चश्मे से देखने का प्रशंसक रहा हूं, यही बात मुझे इस फिल्म को लेकर वास्तव में उत्साहित करती है। और मैं रोमांचित, उत्साहित हूं और दर्शकों को गणपथ की इस नई डायस्टोपियन दुनिया को देखने और अनुभव कराने का इंतजार नहीं कर सकता। हमेशा की तरह, हमारा प्रयास रहा है कि दर्शकों के लिए लार्जर दैन लाइफ सिनेमा पेश किया जाए और गणपथ निश्चित रूप से अपनी अनूठी और सुरम्य कहानी के साथ आपको रोमांचित करेगी। पूजा एंटरटेनमेंट गुड कंपनी के सहयोग से गणपथ प्रस्तुत कर रहा है। विकास बहल द्वारा निर्देशित, फिल्म वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल द्वारा निर्मित है।

हेरा फेरी-3: फरहाद सामजी को लेकर विरोध में आए दर्शक, हटाने की मांग

आखिरकार, बहुत सारी अटकलों और अनुरोधों के बाद, फिरोज नडियाडवाला बपनी प्रतिष्ठित कल्ट कॉमेडी फिल्म हेरा फेरी के 3रे भाग को शुरू करने में सफल हो गए हैं। इस फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसकी प्रतिष्ठित तिकड़ी - अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल हैं, जो इस फिल्म के जरिये एक बार फिर से दर्शकों को रोमांचित करने आ रहे हैं। हालांकि जब से इस फिल्म के निर्देशक का नाम सामने आया है दर्शकों ने इसके खिलाफ एक अभियान छेड़ दिया है। अब गुस्साए प्रशंसक एक याचिका पर हस्ताक्षर कर रहे हैं।

मीडिया में जब से इस बात की जानकारी सामने आई है कि सलमान खान की आगामी फिल्म किसी का भाई किसी की जान और पूर्व में हाउसफुल 4 का निर्देशन कर चुके फरहाद सामजी को हेरा फेरी-3 के निर्देशन की बागडोर सौंपी गई है, तब से दर्शक इस बात को लेकर परेशान हो गए हैं कि फरहाद सामजी को निर्देशक के तौर पर क्यों लिया गया है। उनका कहना हैकि फरहाद सामजी हेरा फेरी की शैली के निर्देशक नहीं हैं। कुछ लोगों ने फिल्म से निर्देशक को बदलने के लिए सभी से हस्ताक्षर करने के लिए एक याचिका भी शुरू की।

धोनी के बाद अब गांगुली पर बायोपिक, सफलता को लेकर संदेह

बेहतरीन निर्देशकों में शामिल हो चुके निर्देशक नीरज पांडे ने जब धोनी की जिन्दगी को परदे पर उतारा था तो उसकी सफलता को लेकर बॉक्स ऑफिस पूरी तरह से आशान्वित था, कारण धोनी की लोकप्रियता। टीम इंडिया के कैप्टन कूल को लेकर दर्शकों में जो जुनून था वैसा किसी भी क्रिकेटर के लिए नहीं रहा। दर्शक धोनी की जिन्दगी को परदे पर देखने के लिए उतावला था। नीरज पांडे ने शिद्दत के साथ दर्शकों के सामने धोनी की कहानी रखी और सफलता प्राप्त की। अब ऐसा ही प्रयास टीम के कप्तान रहे सौरव गांगुली को लेकर किया जा रहा है। सिने गलियारों में बहती हुई हवाओं का कहना है कि टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली पर फिल्म बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इस फिल्म में रणबीर कपूर सौरव गांगुली का किरदार निभाते नजर आएंगे। लम्बे समय से सौरव गांगुली पर फिल्म बनने के कयास लगाए जा रहे थे। प्राप्त समाचारों के अनुसार सौरव गांगुली ने फिल्म की स्क्रिप्ट को अपनी मंजूरी दे दी है। हालांकि निर्माताओं की ओर से अभी इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। ईटाइम्स की लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में सौरव गांगुली की भूमिका के लिए रणबीर कपूर को फाइनल किया गया है। फिल्म की शेष स्टार कास्ट अभी तय करना बाकी है। फिल्म के दूसरे किरदारों में दो व्यक्तियों की भूमिका अहम् मानी जा रही है। पहली गांगुली की पत्नी की और दूसरी एम.एस. धोनी की, जिन्होंने विश्व क्रिकेट में भारत को उन बुलंदियों पर पहुंचाने में सफलता प्राप्त की, जिसकी कल्पना तक करना मुश्किल था। इसके साथ ही एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या निर्माता फिल्म में धोनी के किरदार को रखेंगे या फिर सिर्फ उन्हीं बातों का जिक्र किया जाएगा जिनमें सिर्फ और सिर्फ गांगुली की सफलता होगी। वैसे धोनी के किरदार के बिना गांगुली की बायोपिक पूरी नहीं हो सकती। गांगुली की इस बायोपिक में एम एस धोनी का किरदार कौन निभाता है, यह देखना दिलचस्प होगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सौरव गांगुली की ये बायोपिक नेट वेस्ट सीरीज में गांगुली की परफॉर्मेंस और पत्नी डोना के साथ उनके रिश्तों पर फोकस करेगी। गौरतलब है कि 1983 के बाद गांगुली ही 2003 में इंडियन क्रिकेट टीम को आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में लेकर गए थे, वो ऐसा करने वाले पहले कप्तान थे। भले ही उस वक्त टीम इंडिया वो मैच ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी, लेकिन तब तक दादा अपनी नई टीम बनाने में कामयाब रहे। गांगुली की कैप्टेंसी में कई युवा क्रिकेटर्स को मौका मिला।

सौरव गांगुली को इंडियन टीम के सफल कैप्टन्स में से एक माना जाता है। कहा जाता है कि उन्होंने नए और युवा खिलाड़ियों को टीम में मौका दिया। वीरेंद्र सहवाग, मोहम्मद कैफ, पार्थिव पटेल, युवराज सिंह, हरभजन सिंह और इरफान पठान जैसे खिलाड़ियों को भी मौका दिया।

नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित होगी यामी गौतम की थ्रिलर फिल्म चोर निकल के भाग

हाल ही में यामी गौतम की वेब सीरीज लास्ट ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित हुई थी। अब उनकी एक और फिल्म का ओटीटी पर प्रदर्शन होने जा रहा है। नेटफ्लिक्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर घोषणा की है कि यामी गौतम और सनी कौशल की फिल्म चोर निकल के भाग आगामी 24 मार्च को स्ट्रीमिंग की जाएगी। तेज-तर्रार डकैती-थ्रिलर के रूप में जानी जाने वाली यह फिल्म अजय सिंह द्वारा निर्देशित और मैडॉक फिल्म्स के अमर कौशिक और दिनेश विजान द्वारा निर्मित है।

शरद केलकर अभिनीत, चोर निकल के भागा एक एयर होस्टेस और उसके व्यवसायी प्रेमी की कहानी है, जो एक ऋण शार्क के चंगुल से खुद को मुक्त करने के लिए हीरे चोरी करने के मिशन पर हैं। हालाँकि, डकैती बुरी तरह से गलत हो जाती है जब हीरों को ले जाने वाला विमान ही बंधक स्थिति में फंस जाता है। अजय सिंह ने कहा कि चोर निकल के भागा में काम करना एक रोमांचकारी, रोलर कोस्टर राइड साबित हुआ।

यामी और सनी को निर्देशित करना और इस फिल्म को उनके प्रदर्शन के माध्यम से देखना और कथानक रोमांचक था और मैं नेटफ्लिक्स के माध्यम से दुनिया भर के दर्शकों को हमारे प्यार के अनुभव का इंतजार नहीं कर सकता।

निर्देशक ने कहा, मैडॉक हमेशा उन कहानियों पर जोर देता रहा है जो वे बताते हैं और नेटफ्लिक्स द्वारा इन कहानियों को एक मंच देने से यह और भी खास हो जाता है। अमर कौशिक और दिनेश विजान ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार कहानी सुनी तो वे इस परियोजना का हिस्सा बनना चाहते थे।

हम कहानी दिखाने के लिए एक नई जोड़ी चाहते थे और फिल्म कैसे सामने आती है। यामी और सनी इस भूमिका में पूरी तरह फिट हैं। यह फिल्म एक हेस्ट थ्रिलर है, जो भारतीय मनोरंजन उद्योग से बाहर आने वाली बहुत कम फिल्मों में से एक है और नेटफ्लिक्स हमेशा अलग-अलग कहानियों का समर्थन करता है, हमें पता था कि हमें इस शीर्षक पर एक साथ काम करना होगा।

उन्होंने कहा, दुनिया भर के दर्शक आनंद लेने के लिए दिलचस्प फिल्मों की तलाश में हैं और हमें उम्मीद है कि यह उन्हें संतुष्ट करेगी।

सेल्फी: पहला दिन 6 करोड़, वीकेंड 22 करोड़, लाइफ टाइम 70 करोड़?

इस शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार की फिल्म सेल्फी का प्रदर्शन होने जा रहा है। गत वर्ष लगातार 4 असफल फिल्में देने वाले अक्षय कुमार के करियर के लिए सेल्फी निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म को राज मेहता ने निर्देशित किया है, जो इससे पहले अक्षय कुमार को लेकर गुड न्यूज दर्शकों को दे चुके हैं। सेल्फी मूल रूप से मलयालम भाषा में बनी फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस का रीमेक है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन ने मुख्य भूमिका अभिनीत की थी। इस फिल्म को लेकर बॉक्स ऑफिस बहुत ज्यादा आशान्वित नजर नहीं आ रहा है। एडवांस बुकिंग को लेकर दर्शकों में कोई खास उत्साह नहीं है।

लगभग दो हजार स्क्रीन्स पर प्रदर्शित होने वाली सेल्फी को लेकर यह कहा जा सकता है कि यह पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 6 से 7 करोड़ के मध्य कारोबार करने में सफल होगी। इस फिल्म के पहले सप्ताहांत में 22 करोड़ के लगभग कारोबार करने की उम्मीद की जा रही है। वहीं यह कहा जा सकता है कि यह फिल्म अपने लाइफ टाइम कारोबार में 70 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचने में सफल हो जाएगी। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि सेल्फी अक्षय कुमार की हिट फिल्मों में शामिल नहीं होगी अपितु यह सिर्फ अपनी लागत निकालते हुए कुछ लाभांश प्राप्त करने में कामयाब होगी।

इस फिल्म में अक्षय कुमार सिनेमा के सुपर सितारे के रूप में नजर आएंगे, जिनके लाखों की तादाद में प्रशसंक हैं, जिनमें से एक प्रशंसक उनका पुलिस वाला भी है, जो बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने पर उनका चालान कर लेता है। कहानी इन दोनों के आपसी प्रेम और टकराव पर है। फिल्म के गाने लोकप्रिय हो चुके हैं। विशेष रूप से अक्षय और सैफ की फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी का रीमिक्स वर्जन, जिसे श्रोताओं ने काफी पसन्द किया है।

राज मेहता के निर्देशन में बनी और धर्मा प्रोडक्शंस, पृथ्वीराज प्रोडक्शंस, स्टार स्टूडियोज, मैजिक फ्रेम्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस 'सेल्फी' में अक्षय कुमार, डायना पेंटी, इमरान हाशमी, नुसरत भरुचा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में अक्षय और इमरान की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर नजर आएगी।

महिलाएं वेडिंग में अपने बैस्ट लुक में नजर आना चाहती हैं और स्किन पर मौजूद अनचाहे बालों की वजह से बिंदास हो कर कुछ भी नहीं पहन पाती हैं. ऐसे में वे इन्हें हटाने व फ्लौलेस स्किन पाने के लिए हर एक उपाय करती हैं. इतना ही नहीं हाथों व पैरों पर मौजूद बालों से छुटकारा पाने के लिए घंटो पार्लर में बैठ अपने पैसे व समय दोनों की बर्बादी करती हैं, लेकिन डाबर फेम फेयरनेस नेचुरल हेयर रिमूवल क्रीम आपके समय और पैसे दोनों की बचत करती है और अपना काम मिनटों में करती है. साथ ही यह हेयर रिमूवल क्रीम आपकी खूबसूरती घटाने वाले अनचाहे बालों की छुट्टी ही नहीं करती, बल्कि आपकी त्वचा को सॉफ्ट और चमकदार भी बनाती है ताकि हर कोई आप की त्वचा का कायल बन जाए और आप की खूबसूरती को निहारता रह जाए.

हेयर रिमूविंग होम

उत्सवी माहौल में व्यस्त होने की वजह से स्किन को हेयर फ्री करना ध्यान ही नहीं रहता है. लेकिन अब टेंशन की नहीं है, क्योंकि डाबर फेम फेयरनेस नेचुरल हेयर रिमूवल है आपके पास, जिसने घर पर ही हेयर रिमूविंग को बना दिया है एकदम ईजी. ताकि आप हेयर क्लीन करें कभी भी कहीं भी. हेयर रिमूवल के तरीके तो बहुत हैं लेकिन हम कहेंगे कि हेयर रिमूवल क्रीम से बेहतर कोई नहीं है.

त्वचा निखारे

हेयर रिमूवल क्रीम आपके अनचाहे बालों को बड़े ही शानदार तरीके से साफ करती है साथ ही यह क्रीम आपकी त्वचा के लिए एकदम सुरक्षित है, क्योंकि यह डर्मैटोलौजिकली और क्लीनिकली टैस्टेड है और इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह हर स्किन टाइप के लिए बनी है. यह सिर्फ आपके बालों को ही नहीं हटाती, बल्कि स्किनटोन को निखारती भी है.

काम शुरु मिनटों में

फेम हेयर रिमूवल क्रीम बड़े ही निराले अंदाज से अपना काम करती है. यह क्रीम बालों में मौजूद प्रोटीन को तोड़ देती है और इससे बाल कमजोर हो कर आसानी से निकल जाते हैं साथ ही इसका त्वचा पर कोई नकारात्मक असर भी नहीं होता है. जहां वैक्स से हेयर रिमूव करने के लिए आप को वैक्स गरम करने का इंतजार करना पड़ता है वहीं इस क्रीम को खोला, लगाया और साफ कर दिया. यह अपना काम मात्र 3 से 6 मिनट में कर देती है और आपकी स्किन को फेयर व सॉफ्ट बनाती है.

खोई रंगत लौटाए

महिलाएं वर्किंग हों या घरेलू अकसर धूप की चपेट में आ ही जाती हैं और टैनिंग का शिकार बन जाती हैं. ऐसे में उनकी त्वचा की सुंदरता कहीं खो जाती है और त्वचा बेजान व बेरंग सी नजर आने लगती है, लेकिन फेम हेयर रिमूवल क्रीम आपकी इन तीनों समस्याओं को दूर करती है और स्किन को सौफ्ट व ब्राइट बनाती है ताकि आप दिखें सबसे जुदा.

न कटने का डर न जलने का

पार्लर में काम करने वाले कई बार अनट्रेंड भी होते हैं जो हेयर रिमूव करते वक्त गरम वैक्स से आपका हाथ जला देते हैं तो वहीं रेजर से स्किन पर कट भी लग जाते हैं, ऐसे में अगर आपके लिए हेयर रिमूव करने का कोई सबसे सुरक्षित साधन है, तो वह सिर्फ डाबर फेम फेयरनेस नेचुरल क्रीम ही है. जिसे हर स्किन टाइप के लिए बनाया गया है साथ ही यह कैमिकल फ्री है.

हाईजीन में नंबर वन

जब हेयर रिमूव करते वक्त हाईजीन की बात आती है, तो ऐसे में डाबर फेम फेयरनेस नेचुरल हेयर रिमूवल क्रीम का जवाब नहीं है, क्योंकि पार्लर में भारी भरकम भीड़ होती है और ऐसे में जल्दीजल्दी क्लाइंट को निपटाने के चक्कर में वहां हाईजीन का उतना ध्यान नहीं रखा जाता है, जितना कि रखा जाना चाहिए, जबकि हेयर रिमूवल क्रीम को आप मनमुताबिक कभी भी कहीं भी इस्तेमाल कर सकती हैं और यह हाईजीन का भरपूर ख्याल रखती है.

कई गुणों से भरपूर

- यह क्रीम कई वैरिएंट्स में उपलब्ध है- रोज (सैंसिटिव स्किन टाइप), गोल्ड (सभी प्रकार की स्किन), सैंडल (ड्राई स्किन) और टरमरिक (ऑयली स्किन के लिए).
- केवल 3 से 6 मिनट में अपना काम करे साथ ही यह डर्मैटोलौजिकली और क्लीनिकली टैस्टेड है.
- इसमें है फेयरनेस प्रॉपर्टीज, जो अंडरआर्म्स, बिकिनी लाइन व हाथों व पैरों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है.

भारत में 13 साल बाद धूम मचाने को तैयार है बैकस्ट्रीट ब्वॉयज

भारत में इन दिनों अमेरिकी बैकस्ट्रीट ब्वॉयज की चर्चा हो रही है। वर्ष 2010 में भारत में अपनी कला का प्रदर्शन करने वाला यह बैंड अब एक बार फिर से भारतीय दौरे पर आ रहा है। बैकस्ट्रीट ब्वॉयज ने आधिकारिक तौर पर यह जानकारी प्रदान की है वह अपने डीएनए वर्ल्ड टूर के तहत भारत में 13 साल बाद प्रदर्शन करने जा रहा है। इस खबर से संगीत के प्रेमी खासे उत्साहित हैं। समाचारों के अनुसार यह ग्रुप भारत के दो बड़े शहरों दिल्ली और मुम्बई में अपनी कला का प्रदर्शन करेगा।

जानकारी के मुताबिक सबसे पहले बैकस्ट्रीट ब्वॉयज मुंबई के जियो वर्ल्ड गार्डन में 4 मई को दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है। इसके बाद देश की राजधानी दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 5 मई को बैकस्ट्रीट ब्वॉयज अपना प्रदर्शन करेगा। गौरतलब है कि इस दफा वर्ल्ड फेमस बैंड को भारत में बुक माइ शो और लाइव नेशन ला रहा है। भारत में बैकस्ट्रीट ब्वॉयज का पहले दौरा काफी शानदार था। लोगों ने इस बैंड को काफी अच्छा रिस्पॉन्स दिया था।

ज्ञातव्य है कि बैकस्ट्रीट ब्वॉयज को 90 के दशक में एजे मैकलीन, होवी डोरो, केविन रिचर्डसन, निक कार्टर और ब्रायन लिटरेल ने साथ में मिलकर शुरू किया था। वहीं डीएनए वर्ल्ड टूर की बात करें तो ये कोरियोग्राफी और अपनी आवाज के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। इसने कई हिट गाने दिए हैं जिसमें एज लॉन्ग एज यू लव मी से लेकर डोंट गो ब्रेकिंग माई हार्ट तक का नाम शामिल है। लोगों को ये गाने खूब पसंद आते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

योजनाओं की समीक्षा, कलेक्टर ने जिले के अंतिम छोर में दी दस्तक

जगदलपुर। जिले के अंतिम छोर में बसे गांवों में शासन की योजनाओं के जमीनी हकीकत जानने आज कलेक्टर चंदन कुमार बस्तर जिले के तहसील नानगुर क्षेत्र के अंदरूनी इलाके में स्थित ग्राम पुलचा पहुंचे, जहां निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान तोलावाड़ा में जवानों और ग्रामीणों की भीड़ को देखते हुए अपनी गाड़ी रुकवाई तो देखा कि डीआरजी के जवानों द्वारा वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। अचानक कलेक्टर को अपने बीच पाकर ग्रामीण उत्साहित हुए और तालियों से उनका स्वागत किया। कलेक्टर ने वॉलीबॉल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया, खेल समाप्ति के उपरांत विजेता खिलाड़ियों और अन्य खिलाड़ियों से कलेक्टर ने परिचय प्राप्त कर उनकी शिक्षा, रोजगार, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में भी चर्चा की। उपस्थित अधिकांश खिलाड़ियों ने अपनी शिक्षा नवमीं, दसवीं तक ही पूर्ण की थी, जिन्हें उच्च शिक्षा हेतु कलेक्टर ने प्रेरित किया। ग्राम के उपसरपंच को पढ़ने वाले बच्चों और शाला त्यागी बच्चों को चिन्हाकित करने के निर्देश दिए। साथ ही खिलाड़ियों को विभिन्न भर्ती अभियानों जैसे बस्तर फाइटर, अग्निवीर जैसे परीक्षा में शामिल होने के लिए कहा। ग्रामीणों ने इस अवसर पर कलेक्टर को समस्याओं से अवगत कराया जिसमें स्कूल भवन निर्माण, पुलचा से गोरु गोठान तक सड़क निर्माण, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, मिडिल स्कूल का जीर्णोद्धार की मांग की। कलेक्टर ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को उक्त कार्यों को पूर्ण करने के निर्देशित किए। कलेक्टर ने कांगेर राष्ट्रीय उद्यान में स्थित बस्तर जिले के अंतिम छोर तक दौरा कर निरीक्षण किया।

श्रमिक लछवंतीन को अब नहीं सताती बेटे के भविष्य की चिंता

रायपुर। हर मां का सपना अपने बच्चे के भविष्य को बेहतर और सुरक्षित बनाने का होता है। श्रमिक वर्ग की माताएं हजारों अभावों के बीच अपने बच्चे के सुनहरे भविष्य के सपने बुनती हैं। इन सपनों को साकार करने में राज्य सरकार की मिनीमाता महतारी जतन योजना अहम भूमिका निभा रही है। योजना के तहत मिलने वाली 20 हजार रूपए की एकमुश्त राशि से श्रमिक परिवार के बच्चों के भविष्य को संवारने में काफी मदद मिल रही है। दिहाड़ी मजदूर श्रीमती लछवंतीन साहू की अपने छह माह के बेटे मोक्ष के भविष्य को लेकर चिन्ता भी दूर हो गई है, क्योंकि श्रम विभाग की मिनीमाता महतारी जतन योजना से उन्हें 20 हजार रूपए मिले हैं जो उन्होंने बेटे के भविष्य के लिए बैंक खाते में जमा करा दिए हैं। यह रकम बेटे मोक्ष के बड़े होने पर उसकी शिक्षा और कामकाज का सहारा बनेंगे। धमतरी जिले के दानीटोला वार्ड की निवासी श्रीमती लछवंतीन साहू छत्तीसगढ़ संगठित कर्मकार कल्याण मण्डल के तहत पंजीकृत दिहाड़ी श्रमिक हैं, जो गृह निर्माण कार्य में रेजा का काम करती हैं। उनके पति सुभाष साहू भी पेशे से मजदूर है। गत वर्ष 28 अगस्त 2022 को साहू दम्पति को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई जिसका नाम मोक्ष रखा।

कैट सी.जी. चैप्टर का अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम पर कार्यशाला हुआ

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मिडिया प्रभारी संजय चौबे ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम सेमीनार का आयोजन वृन्दवान हॉल सिविल लाईन्स में हुआ। सर्वप्रथम कैट युवा टीम के प्रदेश अध्यक्ष अवनीत सिंह भाटिया, प्रदेश महामंत्री अमर धिंगानी एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल ने मुख्य अतिथि मयंक श्रीवास्तव, निदेशक अग्निशमन विभाग, विशिष्ठ अथिति जगमोहन जैन, सेवानिवृत्त, चीफ फायर ऑफिसर (बीसएसपी), अरविंद रस्तोगी जी, संयुक्त सचिव (एफएसएआई), बैंक एवं बीमा इंशोरेन्स कम्पनी के अधिकारियों, कैट सी.जी. चैप्टर के पदाधिकारियों, कैट युवा टीम के पदाधिकारियों, छ.ग. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्ड्स्ट्रीज के पदाधिकारियों, व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों एवं उपस्थित व्यापारीगणो का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश प्रभारी अध्यक्ष परमानन्द जैन एवं प्रदेश महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम सेमीनार का आयोजन हुआ।

45 हजार किसानों को सीधे लाभ के साथ 200 स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार

प्रदेश का पहला एथेनॉल प्लांट कोण्डागांव के कोकोड़ी में ले रहा आकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप कोण्डागांव जिले के कोकोड़ी में मक्का प्रसंस्करण पर आधारित राज्य का पहला एथेनाल प्लांट अब मूर्त रूप ले रहा है। मक्का प्रसंस्करण प्लांट जून 2023 तक पूर्ण किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मक्का प्रसंस्करण प्लांट जिले के मक्का उत्पादक किसानों की आर्थिक समृद्धि का द्वार खोलेगा। इससे करीब 45 हजार से ज्यादा किसान सीधे लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही समीपस्थ अन्य जिले के मक्का उत्पादक किसानों के मक्का का प्रसंस्करण किया जाएगा।

साथ ही मक्का प्रसंस्करण प्लांट में क्षेत्र के लगभग 200 से ज्यादा लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा। छत्तीसगढ़ सरकार की उद्योग नीति में कृषि और वनोपज आधारित उद्योगों की स्थापना को विशेष प्राथमिकता श्रेणी में रखा गया है।

कोण्डागांव जिले में 140 करोड़ रूपए लागत से बन रहा मक्का प्रोसेसिंग प्लांट किसानों का जीवन संवारेगा। राज्य सरकार के सहयोग से सहकारिता के क्षेत्र में यह पहला प्लांट स्थापित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में कोण्डागांव जिले में मक्का का सर्वाधिक उत्पादन होता है। इस प्लांट की स्थापना से किसानों को मक्का का अधिकतम मूल्य मिलने की उम्मीद है। प्रोसेसिंग प्लांट के निर्माण का लगभग 35 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। यह प्लांट कोण्डागांव में ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

ग्राम कोकोड़ी में तैयार हो रहे मक्का प्रोसेसिंग प्लांट का संचालन माँ दंतेश्वरी मक्का प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी समिति द्वारा किया जाएगा। यह प्लांट ग्राम कोकोड़ी में 14 एकड़ शासकीय भूमि पर बन रहा है।

इस प्लांट में मक्के की आपूर्ति के लिए लगभग 45 हजार किसानों का पंजीयन किया गया है। प्लांट में प्रतिदिन 200 मीट्रिक टन मक्का की प्रोसेसिंग होगी, जिससे 80 हजार लीटर एथेनॉल तैयार होगा। इस प्लांट के लग जाने से निजी निवेशकों द्वारा अन्य सहायक उद्योग लगाने के लिए नया वातावरण बनेगा।

कोण्डागांव जिले के ग्राम कोकोड़ी में बनाए जा रहे मक्का प्रोसेसिंग प्लांट में कूलिंग टॉवर और बॉसिंग वॉल सहित अन्य कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। स्टील बाईंडिंग वर्क का काम प्रगति पर है। साथ ही फरमनटेशन कूलिंग टॉवर का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। प्लांट के वेयर हाउस निर्माण का काम भी जारी है। बॉयलिंग सेक्शन का काम भी तेजी से किया जा रहा है। बॉलिंग सेक्शन का सिविल कार्य लगभग 60 से 70 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। इसी प्रकार इएसपी सेक्शन के लिए भी सिविल सेक्शन पूर्ण हो चुका है और टरबाईन का 80 प्रतिशत काम भी पूर्ण हो चुका है। इस प्लांट में फरमनटेशन टैंक का निर्माण का कार्य चल रहा है।

कोण्डागांव जिले में 3.48 लाख मीट्रिक टन उत्पादन

कोण्डागांव जिले में बीते तीन-चार सालों में खरीफ और रबी दोनों सीजन में मक्का उत्पादन को काफी बढ़ावा मिला है। प्लांट की स्थापना से उत्साहित किसान मक्का का रकबा साल दर साल बढ़ा रहे है। वर्तमान में कोण्डागांव जिले में प्रति वर्ष 3 लाख 48 हजार 127 मेट्रिक टन मक्का का उत्पादन होता है।

किसानों की अंश पूंजी 7.06 करोड़ रूपए

स्टेट प्रोजेक्ट फाईनेंस कमेटी द्वारा मक्का से एथेनॉल निर्माण के लिए प्रोसेसिंग प्लांट को फिजीबल पाया गया था। लगभग 140 करोड़ की लागत से बन रहे इस प्लांट के निर्माण में किसानों ने 7.06 करोड़ रूपए की अंश पूंजी का योगदान दिया है। इसी प्रकार मंडी बोर्ड द्वारा 21.19 करोड़ रूपए और राज्य शासन द्वारा 35.32 करोड़ रूपए तथा सहकारी संस्था के स्वयं की निधि से 2.10 करोड़ रूपए दिए हैं। शेष 75 करोड़ रूपए बैंक ऋण के माध्यम से जुटाएं गए हैं।

मक्का उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन

कोण्डागांव जिले में समर्थन मूल्य पर मक्का उपार्जन के लिए 47 खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। जिले के कोण्डागांव माकड़ी, फरसगांव, बड़ेराजपुर विकासखण्ड में मक्के का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। मक्का खरीदी का कार्य छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के द्वारा किया जा रहा है। किसान न्याय योजना के तहत 9 हजार रूपए प्रति एकड़ के मान से इनपुट सब्सिडी भी दी जा रही है।

मक्का उत्पादन से जुड़े हैं 65 हजार किसान

कोण्डागांव जिले में खरीफ सीजन में एक लाख 24 हजार 188 तथा रबी सीजन में 2 लाख 23 हजार 929 टन मक्का का उत्पादन होता है। मक्का उत्पादन से जिले के लगभग 65 हजार किसान जुड़े हुए हैं। प्लांट में उत्पादित होने वाला एथेनॉल इंडियन ऑयल कार्पोरेशन को विक्रय किया जाएगा। जिसे पेट्रोल के साथ मिक्स कर बेचा जाएगा। इससे विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी साथ ही किसानों को मक्का का वाजिब दाम भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री का भेंट-मुलाकात कार्यक्रम नन्ही मोहनी के लिए बना वरदान

दूर हुई पिता की चिंता: मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुगर पीड़ित बालिका मोहनी को मिल रहा बेहतर इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भेंट-मुलाकात कार्यक्रम शुगर पीड़ित दस वर्षीय बालिका मोहनी कौशिक के लिए वरदान साबित हुआ है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने तखतपुर विधानसभा के ग्राम खैरी में विगत 18 जनवरी को आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान सकरी तहसील के ग्राम बहतराई निवासी प्रमोद कौशिक से किये गये वायदे को कुछ ही दिनों में पूरा कर दिया है।

श्री कौशिक ने अपनी पुत्री मोहनी कौशिक की शिक्षा और स्वास्थ्य में सहयोग करने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था। मोहनी, शुगर के टाईप-1 डायबिटीस मेलाईटस बीमारी से ग्रस्त है, इसमें शुगर की मात्रा बढ़ने से नियमित रूप इंसुलिन की जरूरत पड़ती है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नन्ही मोहनी का अब बेहतर इलाज चल रहा है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात के जरिए प्रदेश की जनता से रूबरू हो रहे हैं और इस दौरान जनता की समस्याओं का निराकरण भी कर रहे हैं। इस दौरान ग्राम खैरी में मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक और ग्रामीणों से उनकी समस्याओं और शिकायतों के संबंध में पूछताछ करते समय बात-चीत में श्री कौशिक ने बताया कि उनकी 10 वर्षीय पुत्री को शुगर की बीमारी है।

उसे नियमित रूप से इंसुलिन लेने की जरूरत पड़ती है। उन्होंने बीमारी के इलाज में सहयोग की गुहार मुख्यमंत्री से लगाई थी। मुख्यमंत्री ने उन्हें बेहतर इलाज करवाने का भरोसा दिलाया था। श्री बघेल ने मोहनी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं बेहतर इलाज के लिए निर्देश दिए। तखतपुर आर.बी.एस.के. टीम द्वारा मोहनी को बिलासपुर जिला अस्पताल के जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र (डी.ई.आई.सी.) रिफर किया गया। जिला अस्पताल एवं डी.ई.आई.सी. टीम द्वारा अब मोहनी का बेहतर उपचार किया जा रहा है। साथ ही मोहनी और उसके परिवार को उचित परामर्श देते हुए इंसुलिन भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

नरवा विकास: बढ़ रहा वनांचल मे भू-जल स्तर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'नरवा विकास योजना' के सफल क्रियान्वयन से वनांचल की तस्वीर ही बदल गई है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में नरवा विकास कार्यक्रम के तहत कैम्पा मद अंतर्गत वनांचल स्थित नालों में काफी तादाद में भू-जल संरक्षण संबंधी कार्यो का तेजी से क्रियान्वयन जारी है।

इससे वन क्षेत्रों के भू-जल स्तर में काफी सुधार दिखाई देने लगा है और वनवासियों सहित क्षेत्रवासियों को पेयजल, सिंचाई तथा निस्तारी आदि सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलने लगा है। साथ ही साथ इससे वन संरक्षण तथा संवर्धन के कार्यों को भी बढ़ावा मिला है। राज्य में इसके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को 'स्कॉच अवार्ड' के पर्यावरण श्रेणी के लिए स्वर्ण पुरस्कार भी मिल चुका है।

वनांचल के लगभग 23 लाख हेक्टेयर भू-भाग का होगा उपचार

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में गत चार वर्षों के दौरान राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी 'नरवा विकास' योजना के तहत वनांचल स्थित 6 हजार 395 नालों के लगभग 23 लाख हेक्टेयर जल ग्रहण क्षेत्रों को उपचारित करते हुए विभिन्न जल संरचनाओं का निर्माण तेजी से किया जा रहा है।

इसके तहत एक करोड़ 61 लाख से अधिक भू-जल संरक्षण संबंधी संरचनाओं का निर्माण शामिल हैं। इन संरचनाओं में ब्रश वुड चेक डैम, लूज बोल्डर चेक डैम, गेबियन संरचना, मिट्टी चेक डैम, कंटूर ट्रेंच, वाटर अब्जॉर्प्शन ट्रेंच तथा स्टेगर्ड कंटूर ट्रेंच का निर्माण शामिल है।

इसके अलावा गली प्लग, चेक डैम, स्टॉप डैम, परकोलेशन टैंक तथा तालाब, डबरी और वाटरहोल आदि भू-जल संरक्षण संबंधी संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है।

प्रदेश का दूसरा मिलेट कैफे कोरबा में हुआ शुरू

- सेहत से भरपूर मिलेट्स के व्यंजनों का जिलेवासी ले सकेंगे स्वाद
- 'जिले के पहले मिलेट्स कैफे का महापौर राज किशोर प्रसाद और कलेक्टर झा ने किया शुभारंभ
- कैफे में मिलेट्स के बने इडली,डोसा,बड़ा,केक,चीला,हलवा और अन्य व्यंजन रहेंगे उपलब्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। प्रदेश का दूसरा मिलेट कैफे कोरबा शहर में शुरू हो गया है। मिलेट कैफे में सेहत से भरपूर व्यंजनों का जिलेवासी स्वाद ले सकेंगे। महापौर श्री राज किशोर प्रसाद और कलेक्टर श्री संजीव झा ने जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की मौजूदगी में कोरबा शहर के निहारिका में स्मृति उद्यान के सामने जिले के पहले मिलेट्स कैफे का फीता व केक काटकर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि दुनियाभर में साल 2023 को इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर के रूप में मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में कोरबा में अब जिले के पहले मिलेट्स कैफे की शुरुआत हो गई है। इस कैफे में सेहत के लिए भरपूर मिलेट्स के व्यंजन का स्वाद लोग ले सकेंगे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजीव झा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा अनुसार कोरबा जिले में भी पहले मिलेट्स कैफे का शुभारंभ किया गया है। यह कैफे रायगढ़ जिले के बाद प्रदेश का दूसरा मिलेट कैफे है। कलेक्टर श्री झा ने कहा कि इस मिलेट्स कैफे में कोदो, कुटकी ,रागी समेत अन्य लघु धान्य फसलों से निर्मित व्यंजन जैसे इडली, डोसा, पोहा, उपमा ,भजिया खीर ,हलवा, कुकीज , मोल्ड के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन लोगों के लिए उपलब्ध रहेंगे। मिलेट्स के सभी उत्पाद सेहत के लिए भरपूर फायदेमंद है। कलेक्टर श्री झा ने कहा कि मिलेट्स कैफे का संचालन महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से किया जाएगा। इससे महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित होंगे। श्री झा ने कहा कि जिले के किसानों के लिए मिलेट्स उत्पादों के बाजार की समस्या नहीं रहेगी। इससे किसानों को भी फायदा भी होगा। इस अवसर पर नगर पालिक निगम के सभापति श्री श्यामसुंदर सोनी, नगर निगम के एमआईसी मेंबर श्री संतोष राठौर,, अपर कलेक्टर श्री विजेंद्र सिंह पाटले, नगर निगम आयुक्त श्री प्रभाकर पांडेय, जिला पंचायत के सीईओ श्री नूतन कंवर, जनप्रतिनिधि श्री सुरेंद्र प्रताप जायसवाल, श्रीमती सपना चैहान सहित नागरिकगण मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि मिलेट्स के उत्पादन को बढ़ावा देने और इनसे मिलने वाले पोषक तत्वों के बारे में जन जागरूकता के लिए वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है। मिलेट्स के अंतर्गत मुख्य रूप से कोदो, कुटकी और रागी की खेती होती है। इसके उत्पादन को मिल रहे प्रोत्साहन से किसानों का भी उत्साह बढ़ा है। मिलेट्स कैफे के शुभारंभ के बाद महापौर श्री प्रसाद, कलेक्टर श्री झा व अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने मिनट के व्यंजनों का स्वाद भी चखा। कोरबा के पहले मिलेट्स कैफे की शुरुआत जिला प्रशासन की पहल व सहयोग से हुआ है। इसका संचालन नव जागृति महिला स्व सहायता समूह द्वारा किया जाएगा। इससे महिला स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

12 साल की उम्र में खरीदी पिस्तौल, दो साल पहले की थी फायरिंग, तीन कट्टा और तलवार के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में देशी कट्टे से फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद सेक्टर-2 निवासी आकाश सिंह और सेक्टर-7 निवासी नीरज कुमार प्रसाद पुलिस की गिरफ्त में आए। गुरुवार को दिनभर शहर में इनकी चर्चा रही। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद दुर्ग एसपी डॉ पल्लव ने अपने चिरपरिचित अंदाज में आरोपियों की क्लास ली। इस दौरान आरोपियों ने हैरान करने वाले खुलासे किए। आरोपियों में एक ने देशी कट्टा 12 साल की उम्र में खरीदा था। वहीं उसके साथी ने भी दो साल पहले यूपी से देशी कट्टा खरीद कर लाया। आइए जानते हैं एसपी पल्लव की क्लास में आरोपियों ने क्या कुछ कहा।

घटना का खुलासा करते हुए एसपी पल्लव ने जानकारी दी। आरोपियों के पास तीन देशी कट्टे व दो जिंदा कारतूस, एक तलवार और एक चाकू बरामद किया है। हवाई फायरिंग की यह घटना दो साल पहले की है। दोनों ने रात ढ़ाई बजे घर से निकल कर सड़क पर हवाई फायरिंग की थी। पांच दिन पहले आकाश सिंह का जन्मदिन था और इस खास मौके पर इसके बॉबी नाम के दोस्त इसे इंस्टाग्राम में पोस्ट किया था। इसके बाद यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ और जागरुक लोगों के माध्यम से दुर्ग एसपी के वाट्सएप पर भेजा गया। इसके बाद इनकी गिरफ्तारी हुई।

रील्स बनाने के शौक ने पहुंचाया जेल

दरअसल दोनों को रील्स बनाने का शौक था और इसके लिए इन दोनों ने हवाई फायरिंग की थी। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दो साल पहले का यह वीडियो है। उस दिन रात को दोनों ने देशी कट्टे से फायरिंग का प्लान बनाया। इस दौरान फायरिंग करते वीडियो भी रिकार्ड करवाया। आरोपियों के अनुसार उस समय इस वीडियो को पोस्ट नहीं किया था। 17 फरवरी को आकाश सिंह का जन्मदिन था और इस खास मौके पर उसके दोस्त बॉबी ने इस वीडियो को एडिट कर इंस्टा में अपलोड कर बर्थडे गिफ्ट दिया।

6 माह पहले लाई थी तलवार, फ्लिपकार्ट से मंगाया था चाकू

आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि 6 माह पहले ही तलवार लाई थी। आकाश सिंह ने बताया कि उसने यह तलवार सेक्टर-6 गुरुद्वारे से ली थी। गुरुद्वारे की पवित्र तलवार को किसी को बिना बताए ही आकाश लेकर चला गया था। यही नहीं एक चाकू आरोपी नीरज ने फ्लिपकार्ट से मंगाया था। आरोपियों ने यह भी बताया कि देशी कट्टा 1500 रुपए की खरीदी और कारतूस 60-60 रुपए में लिया था। इस्टाग्राम पर बर्थ डे के दिन फायरिंग का वीडियो डाल कर रौब दिखाना चाह रहे थे इनके लिए उल्टा पड़ गया और पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

भिलाई भट्ठी पुलिस ने की कार्रवाई

एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने बताया शहरी क्षेत्र में चाकूबाजी और बढ़ते हुये अपराधो पर लगाम कसने को लेकर दुर्ग पुलिस लगातार कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में इस्टाग्राम में बर्थ-डे पार्टी मनाते हुये देसी कटटे से फायर करते हुये विडियो बनाकर वायरल किया क्लिप हमारे पास आया। इसके बाद भिलाई भट्ठी पुलिस की टीम ने आरोपियों की पतासाजी कर उनके घर पर दबिश दी गई। कड़ाई से पूछताछ करने पर हथियार रखने चलाने और वीडियो वायरल करने की बातें सामने आई। पकड़े गए आरोपियों आकाश सिंह और नीरज कुमार प्रसाद के खिलाफ थाना मिलाई भटटी में आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। एसपी अभिषेक पल्लव से सभी थानों की पुलिस को निर्देश दिया कि बिना काम के रात 10 बजे के बाद घूमने वालों पर भी कार्रवाई करें।

खास खबर

छावनी सीएसपी प्रभात कुमार का तबादला, भेजे गए रायगढ़, आशीष बंछोर होंगे छावनी के नए सीएसपी

भिलाई। छावनी सीएसपी प्रभात कुमार का तबादला कर दिया गया है। आईपीएस प्रभात कुमार अब रायगढ़ में नगर पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रभात कुमार की जगह छावनी का सीएसपी राज्य पुलिस सेवा के अफसर आशीष कुमार बंछोर को बनाया गया है। छत्तीसगढ़ गृह विभाग ने इस संबंध में गुरुवार को आदेश जारी कर दिया है।

वसूलीबाज आरक्षकः फोन-पे पर मंगाता था पैसे, एसपी ने किया लाइन अटैच

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में दो आरक्षकों पर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। जिले के एसपी संतोष सिंह ने पहले तो दोनों को लाइन अटैच किया और उसके बाद विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। इनमें से एक आरक्षक पर अवैध वसूली का अरोप है तो दूसरे पर ड्यूटी के दौरान शराब पीने का। एसपी ने आरक्षकों के इस कृत्य को अनुशासनहीनता मानते हुए कार्रवाई की है। वसुलीबाज आरक्षक के खिलाफ मिली शिकायत भी जांच में सही पाई गई इसके बाद यह कार्रवाई हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह को थाना चकरभाठा थाना के आरक्षक योगेश साहू व आरक्षक मोरज सिंह ध्रुव को लाइन अटैच कर दोनों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की है। आरक्षक योगेश साहू के खिलाफ अवैध रूप से फोन-पे के माध्यम से पैसा लेने की शिकायत प्राप्त हुई थी। प्राथमिक जांच में यह सही पाया गया। योगेश साहू के विरुद्ध शिकायत पर और थाना सरकंडा के आरक्षक मोरज सिंह ध्रुव को ड्यूटी के दौरान शराब सेवन किया जाना पाए जाने पर निलंबित कर लाईन अटैच कर विभागीय जांच आदेशित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में प्रत्येक माह उल्लेखनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित करने के लिए कॉप ऑफद मंथ योजना शुरू की जा रही है। चुने गए कर्मचारियों को नगद इनाम, गुड सर्विस एंट्री व प्रशंसापत्र के साथ ही उनका फोटो समस्त पुलिस कार्यालयों और सभी थाना/चौकी के नोटिस बोर्ड पर पूरे माह के लिए लगा रहेगा। इससे दूसरे पुलिसकर्मी भी अच्छा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

दो भालुओं के शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप

महासमुंद (ए)। जिले के सीमावर्ती क्षेत्र के ग्राम कोलपदर के जंगल में दो भालुओं के शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। दो दिन पहले जहां तेंदुए की लाश मिली थी उसी जगह 2 भालू मृत मिले हैं इसकी सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। मौके पर डाग स्क्वाड की टीम भी पहुंची हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार कोलपदर के जंगल के कक्ष क्रमांक 91 में दो भालुओं के शव मिले हैं। वन विभाग निगम बार अभ्यारण्य के अधिकारी मौके पर पहुंचकर पड़ताल कर रहे।वहीं तेंदुए के शिकार करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों के घर से तीर कमान, हथियार, बिजली तार, भालुओं के दांत बरामद किया गया है। भालुओं की शव मिलने के मामले में इन्ही आरोपियों के शामिल होने का अंदेशा लगाया जा रहा है। बताया जा रहा कि भालुओं की लाश दो दिन पुरानी है। वन विभाग निगम की टीम आसपास के गांव में जांच पड़ताल कर रही है।

जामुल में महिला की हत्याः कथित पति पर पुलिस को शक, घटना के बाद से है फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र के ग्राम ढौर में गुरुवार सुबह महिला की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। महिला की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के इरादे से ढौर के खार में फेंककर जलाने की कोशिश की गई। महिला के शव की शिनाख्त के लिए पुलिस को दिनभर मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार पुलिस को सफलता मिली और मृतक महिला की शिनाख्त घासीदास नगर निवासी मधुबाला जांगडे के रूप में हुई।

शव की शिनाख्ती के बाद पुलिस को इस मामले में बड़ी जानकारी मिली है। दरअसल मधुबाला जांगड़े घासीदास नगर में ललित जांगडे नाम के शख्स के साथ लिव इन में रहती थी। पुलिस ने घासीदास नगर में मृतका के घर के आसपास जानकारी जुटाई तो पता चला कि ललित जांगड़े घर पर नहीं है। पुलिस को शक है कि मधुबाला जांगड़ की हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका कथित पति ही है।

ओड़िशा भागने की मिली जानकारी

जामुल पुलिस ने मृतका के कथित पति ललित जांगड़े की तलाश शुरू की तो पता चला है कि वह ओड़िशा भाग गया है। घटना के बाद से ही वह फरार है। पुलिस उसके मोबाइल पर भी संपर्क कर रही है लेकिन उसका मोबाइल बंद है। जामुल पुलिस की एक टीम ओड़िशा के लिए रवाना किया जा रहा है। जामुल पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

शनिचरी बाजार के मकान में लगी भीषण आग, दमकल कर्मियों को आग बुझाने में लगे ढ़ाई घंटे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के शनिचरी बाजार स्थित एक मकान में गुरुवार शाम को भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मकान में आग इतनी तेजी से फैली कि दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में लगभग ढाई घंटे का समय लग गया। आग लगने से मकान का सारा सामान जलकर खाक हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग के शनिचरी बाजार के मोहल्ला स्थित केदार गुप्ता के घर में आग लग गई। आग कैसे लगी इसका कारण पता नहीं चला। बताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट के कारण यह आग लगी। देखते ही देखते आग फैलने लगी। शाम करी 5 बजे अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के कार्यालय को सूचना मिली। सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन की टीम तुरंत मौके पर रवाना किया। मौके पर पहुंची टीम को ने ढ़ाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस पूरी कार्रवाई में जिला अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र कुमार सिंह अग्निशमन कर्मी धनु राम यादव, संतोष मढरिया, नरोत्तम टंडन, मोहनराव, जागेन्द्र मार्कंडेय, रमेश कुमार का काम सराहनीय रहा।

लाइसेंस खत्म होने के बाद भी चल रहे थे नर्सिंग होम सीएमएचओं ने जारी किया नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बिना लाइसेंस शहर में चल रहे दो निजी नर्सिंग होम को सीएमएचओ द्वारा नोटिस जारी किया गया है। सीएमएचओ द्वारा सुपेला नर्सिंग होम, इंदिरा नगर कोहका रोड व आधुनिक कपिंग हिजामा थैरेपी सेंटर 103 इथिराज टावर जीई रोड को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेपी मेश्राम के निर्देशानुसार जिले में संचालित हो रहे नर्सिंग होम के औचक निरीक्षण हेतु डॉ आरके खण्डेलवाल, नोडल अधिकारी नर्सिंग होम एक्ट, स्थानीय कार्यालय को निर्देशित किया गया। उनके द्वारा भिलाई क्षेत्र अंतर्गत निजी स्वास्थ्य संस्थाओं के औचक निरीक्षण करने के दौरान सुपेला नर्सिंग होम, इंदिरा नगर कोहका रोड का नर्सिंग होम एक्ट द्वारा प्रदत्त लायसेंस की अवधि (वर्ष 2019) का समाप्त होना पाया गया। नर्सिंग होम एक्ट एनएचए के तहत प्रदत्त लायसेंस की अवधि के समापन के उपरांत भी संबंधित संस्थाओं के द्वारा अपनी संस्था का नवीनीकरण लायसेंस हेतु आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है। दोनों संस्थाओं को समस्त आवश्यक दस्तावेजों यथा नगर निगम से जारी अनुज्ञप्ति लायसेंस, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल से जारी एनओसी फायर एनओसी, एसएमएस से अनुबंध कर नर्सिंग होम एक्ट अंतर्गत निर्धारित शुल्क के तहत निर्धारित प्रपत्र में आवेदन 07 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किया गया।

इसी प्रकार आधुनिक कपिंग हिजामा थैरेपी सेंटर 103 इथिराज टावर, जीई रोड भिलाई में मरीजों के स्वास्थ्य उपचार के लिए कपिंग थैरेपी करते हुए पाया गया। नर्सिंग होम एक्ट के नियम 2010 एवं 2013 के प्रावधानों का उल्लघंन है। जिले में किसी भी प्रकार के निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकीय कार्य करने एवं संस्था के सुचारू रूप से संचालन हेतु नर्सिंग होम एक्ट, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में संस्था का पंजीयन ऑन-लाईन नर्सिंग होम एक्ट में पंजीयन किया जाना अनिवार्य है। संबंधित संस्था को नर्सिंग होम एक्ट अंतर्गत पंजीयन एवं संबंधित चिकित्सक का पंजीयन 03 दिवस के भीतर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किया गया।

राजधानी रायपुर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

80 लाख की शराब के साथ पकड़ाए पांच तस्कर, ट्रक व कार में ले जा रहे थे शराब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आबकारी विभाग ने शराब तस्करी करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। आबकारी विभाग ने एक ट्रक व दो कार से लाई जा रही शराब के साथ पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। ट्रक व कारों में भरकर शराब ले जा रहे थे। शराब की कीमत लाखों में है। आबकारी विभाग ने शराब की कीमत लगभग 80 लाख रुपए बताई है।

मिली जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग को मुखबिर के जरिए बड़ी मात्रा में शराब की तस्करी का इनपुट मिला था। मुखबिर की सूचना के अनुसार आबकारी विभाग की टीम ने घेराबंदी कर एक ट्रक व दो कार को पकड़ा। जब टीम ने ट्रक की जांच की तो हैरान रह गए। ट्रक में चूने की बोरियों के अंदर शराब की पेटियों को छिपाकर लाया जा रहा था। शराब से भरे ट्रक और 2 कार को सिविल लाइन स्थित आबकारी कंट्रोल रूम रायपुर में रखा गया है। पकड़े गए तस्करों में चार बिहार के हैं और एक छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले का है।

नशे की गोलियां बेचता पकड़ाया बदमाश भारी मात्रा में नशे की गोलियां बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नशे के खिलाफ दुर्ग पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। दुर्ग भिलाई में पिछले कुछ दिनों में नशे की गोलियां बेचने वाले लगातार पकड़ा रहे हैं। इसी कड़ी में मोहन नगर पुलिस ने धमधा नाका के पास नशे की गोलियां बेचते एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। अरोपी के पास से भारी मात्रा में नशे की गोलियां बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

मोहन नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि धमधा नाका के पास एक युवक नशे की गोलियां बेच रहा है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा। पकड़े गए आरोपी का नाम कैलाश नगर निवासी सुशांत है। आरोपी के पास से कुल 12 डिब्बे नशे की गोलियां बरामद की गई। नशे की गोलियां बरामद कर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ताः 93003-77572

खास - खबर

नौ विभूतियों को अच्छे लोग साधना अलंकरण

भिलाई। छत्तीसगढ राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ साहितकार गिरिश पंकज ने कल्याण कॉलेज में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से डॉ. हंसा शुक्ला सहित कुल नौ विभूतियों को अच्छे लोग छत्तीसगढ साधना अलंकरण प्रदान किया। यह अलंकरण साहित्य, पत्रकारिता, समाज सेवा, ग्राम उच्चशिक्षा, सहकारिता, स्वास्थ्य, वास्तुज्योतिष के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रदान किया गया उनमें डॉ.प्रतिमा मिश्रा साहित्य, डॉ. अंजना श्रीवास्तव समाज सेवा, वाय.अप्पल नायडू को स्वास्थ्य क्षेत्र लखनलाल वर्मा को पत्रकारिता, मोहनलाल गुप्ता सहकारिता, श्रीमती के लता वेणूगोपाल ग्राम उच्चतर शिक्षा, डॉ. अनिल वर्मा, वास्तु ज्योतिष, डॉ. अमरनाथ शर्मा ग्राम उच्च शिक्षा शामिल है। सम्मातिन विभूतियों को शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इसके पश्चात श्रीमती के लता वेणूगोपाल द्वारा आर्ट ऑफलिविंग के तहत ध्यान, अभ्यास, साधना प्रस्तुत किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आर पी अग्रवाल ने की। विशेष अतिथि के रूप में शिक्षा संकाय के पूर्व अध्यक्ष डॉ. प्रभात श्रीवास्तव थे। इस अवसर पर अतिथि वक्ताओं ने कहा कि समाज में अच्छे लोगों को खोजना और उन्हें सम्मानित करना बड़ी बात है। अच्छे लोग संस्था के संयोजक डॉ. प्रशांत कानस्कर ये काम बखूबी कर रहे हैं। इसके लिए वे बधाई के पात्र है। स्वागत भाषण डॉ. सुधीर शर्मा ने यह वार्षिक प्रतिवेदन डॉ. प्रशांत कानस्कर ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार जोस एंथोनी ने एवं आभार प्रदर्शन वरिष्ठ साहित्कार प्रदीप भट्टाचार्य ने किया।

इंश्योरेंस एम्पलाईज का सम्मेलन 25 को भिलाई में

भिलाई। रायपुर डिवीजन इंश्योरेंस एम्पलाईज यूनियन का 51 वां वार्षिक सम्मेलन छत्तीसगढी अग्रवाल समाज भवन प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम में 25 फ़रवरी से 27 फ़रवरी तक आयोजित किया गया है। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि काम, श्रीकांत मिश्र, महासचिव ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसिएशन होंगे। सम्मेलन में रायपुर डिवीजन के बीमाकर्मी सहित अन्य विशिष्ट अतिथि और नेतृत्वकारी प्रतिनिधि-प्रेक्षक साथी सम्मिलित होंगे। सम्मेलन में बीमा क्षेत्र में हो रहे बदलावों व बीमा के निजीकरण के कुप्रयासों पर विशेष रूप से चर्चा होगी।

सड़क क्षेत्र में व्यवस्था बिगाड़ने वालों को निगम अधिकारियों ने दी समझाईश

दुर्ग। आयुक्त लोकेश चंद्राकार के मोर शहर मोर जिम्मेदारी के निर्देश पर बाजार विभाग,अतिक्रमण विभाग व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उताई चौक के करीब फ्ल ठेले वाले,गन्ना रस सहित अन्य खोमचे सड़क किनारे गौरव पथ के आस पास व्यवसाय करने वाले दुकानदारो को अधिकारियों ने चेताया कि अवस्थाओं के कारण नागरिको को आगवमान में बाधा पहुंचती है जिससे यातायात व्यवस्था बिगड़ जाती है। अधिकारियों ने दुकान के बाहर समान रखने वालों को समझाइस देते हुए समान दुकान के भीतर करवाया और फ्ल ठेले सहित अन्य ठेले वाले दुकानदारो को अंतिम चेतवानी दी है।

घर में जा घुसी तेज रफ्तार ट्रक, ड्राइवर-हेल्पर सहित तीन की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के पाटन ब्लॉक में बीती रात बड़ा हादसा हो गया। यहां के तर्रा गांव में एक ट्रक चालक ने लापरवाही का ऐसा नमूना दिखाया जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि दूर तक धमाके की आवाज सुनाई दी।

गुरुवार रात करीब 11 बजे की यह घटना बताई जा रही है। तेज रफ्तार ट्रक सीधे मकान में जा घुसी जिससे ट्रक ड्राइवर व हेल्पर की जान तो गई साथ ही मकान में मौजूद एक अन्य व्यक्ति की भी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने रेस्क्यू किया। फ़िलहाल मामले की जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार तर्रा गांव स्थित गोवर्धन प्रसाद यदु पिता दया प्रसाद यदु के मकान में ट्रक क्रमांक सीजी 07 ष्टरु 3355 के चालक लापरवाही पूर्वक चलाते हुए घर मे घुसा दिया। हादसे में ट्रक में सवार ड्राइवर व हेल्पर सहित एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर व हेल्पर के शव ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गए थे। आसपास के ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू किया और काफी मशक्कत के बाद ड्राइवर व हेल्पर के शवों को वाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने तीनों शवों को पीएम के लिए भेज दिया है। हादसे का कारण स्पष्ट नहीं है लेकिन आशंका जताई जा रही है कि ड्राइवर नशे में रहा होगा जिससे उसकी ट्रक अनियंत्रित हुई। फ़िलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेल-बीएसपी ने स्पेशल स्टील के उत्पादन में की वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-बीएसपी, भारतीय रेलवे के लिए सर्वोत्कृष्ट रेलपांत से लेकर बांधों, पुलों और गगनचुंबी इमारतों के लिए और रक्षा, ऊर्जा क्षेत्र, अंतरिक्ष अन्वेषण आदि राष्ट्रीय महत्व की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए सर्वोत्तम स्टील का वांछित ग्रेड प्रदान कर रहा है। यह भिलाई के लिए गर्व का विषय है कि भिलाई द्वारा उत्पादित स्टील भारतीय नौसेना के विमान वाहक आईएनएस विक्रांत और अन्य युद्धपोतों के निर्माण में प्रयुक्त किया गया है।

सेल-भिलाई द्वारा उत्पादित कुल विक्रेय योग्य स्टील की कुल मात्रा में स्पेषल स्टील ग्रेड के अनुपात को बढ़ाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि ये मूल्य संवर्धित ग्रेड जहां कंपनी के शुद्ध बिक्री में वृद्धि करते हैं वहीं कंपनी की लाभप्रदता को बढ़ाने में भी मदद करते हैं। वर्तमान वित्त वर्ष की अवधि में अब तक अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 तक बिक्री योग्य स्टील की कुल मात्रा में विशेष स्टील ग्रेड का अनुपात पिछले वित्तीय वर्ष 2021-22 में जो कि 67.6 प्रतिषत था की तुलना में 73.6 प्रतिषत हो गया है। प्लांट द्वारा उत्पादित आर 260 ग्रेड रेल सहित विशेष ग्रेड रेल के अलावा, अन्य विशेष स्टील ग्रेड में विशेष ग्रेड प्लेट, टीएमटी बार और रॉड और विशेष ग्रेड सेमी भी शामिल हैं। स्पेशल ग्रेड प्लेट्स में कॉपर बियरिंग प्लेट्स, बॉयलर क्वालिटी, शिप बिल्डिंग क्वालिटी, हाई टेंसाइल और सेल्मा ग्रेड्स, सेलहार्ड ग्रेड, इंडियन नेवी के लिए डीएमआर 249 ग्रेड-ए प्लेट्स, नॉर्मलाइज्ड माइल्ड और नॉर्मलाइज्ड रोल्ड प्लेट्स, एनडीटी के साथ 40 मिमी से ज्यादा मोटे प्लेट्स, आईएस 2062ई 250बीएम (एमए) और आईएस- 2062 ई 250 ग्रेड-सी शामिल हैं। वर्ष 2021-22 में उत्पादित विशेष ग्रेड प्लेटों की कुल मात्रा 3,41,243 टन थी जबकि 2022-23 की अप्रैल से जनवरी के अवधि में 3,94,155 टन विशेष ग्रेड की प्लेटों का उत्पादन किया गया। इस प्रकार संयंत्र ने स्पेषल ग्रेड प्लेट्स के उत्पादन में वृद्धि दर्ज की है।

प्लांट के वायर रॉड मिल ने भी इलेक्ट्रोड क्वालिटी (ईडब्ल्यूएनआर) आईएस-2879 वायर रॉड्स, टीएमटी रॉड्स, उच्च जंगरोधी टीएमटी (एचसीआरएम) और भूकंपरोधी टीएमटी (ईक्यूआर-डी) रॉड्स सहित विशेष स्टील ग्रेड का उत्पादन किया है। वायर रॉड मिल से वित्त वर्ष 2021-22 में उत्पादित विशेष ग्रेड वायर रॉड की कुल मात्रा 3,20,105 टन थी, जबकि 2022-23 की अप्रैल से जनवरी अवधि में, वायर रॉड मिल द्वारा 3,04,525 टन विशेष ग्रेड का उत्पादन किया गया।

प्लांट की मर्चेंट मिल जो टीएमटी (एचसीआरएम), टीएमटी (एफ्ई-600), टीएमटी (550डी) और टीएमटी (एफ ई-500डी) ग्रेड सहित विशेष स्टील टीएमटी बार तथा विशेष स्टील ग्रेड में हल्के स्ट्रक्चरल का उत्पादन करती है, इसमें सेल्मा 2062 410 ग्रेड ए 2062 सीयू, आईएस 2062 ग्रेड-बी (बी0) और आईएस 2062 250/350 (बीआर) ग्रेड शामिल है। वित्त वर्ष 2021-22 में 4,21,930 टन विशेष स्टील ग्रेड का उत्पादन करने वाली मर्चेंट मिल ने चालू वित्त वर्ष में अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 की अवधि में 4,61,121 टन का उत्पादन किया है।

मैत्रीकुंज के 493 आवास के लिए

किराए के मकान में रहने वालों को मौका, मकान लेने पहली किस्त में मिलेगी भारी छुट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली । शासन ने प्रधानमंत्री आवास आबंटन के नियमों को सिथिल किया है। अब किराए के मकान में रहने वालों को स्वयं का मकान लेना आसान हो जाएगा। उन्हे एक लाख की जगह पहली किस्त केवल 10 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी।

नगर पालिक निगम रिसाली में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास आबंटन प्रक्रिया में तेजी आ गई है। हितग्राहियों को किस्त जमा करने में सुविधा भी दी जा रही है। पहली किस्त 1 लाख 30 हजार की जगह महज 30 से 35 हजार ही जमा करनी होगी। खास बात यह है कि शासन ऐसे हितग्राहियों को यह अवसर दे रही जो किराए के मकान में रहते है और स्वयं का मकान होना उनके लिए एक सपना है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में पहली किस्त की राशि अधिक होने की वजह से कई हितग्राही फार्म लेने में पीछे हट रहे थे। पहली किस्त जमा करने के बाद हितग्राही मालिकाना हक के लिए निकाली जाने वाली लॉटरी में शामिल हो सकते है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मोर मकान मोर आस के तहत पूर्व में पहली किस्त क्रमशः 108300 और 96000 जमा करना अनिवार्य था।

वर्तमान में पहली किस्त 36100 व 32000 रूपए जमा करनी होगी। इस योजना का लाभ छत्तीसगढ़ के मूल निवासी ले सकते है। वे निवास प्रमाण पत्र के अलावा रिसाली निकाय के अंतर्गत बने राशनकार्ड व मतदाता परिचय पत्र या आधार कार्ड दिखाकर निगम कार्यालय स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय या फिर वार्ड पार्षद के माध्यम से संपर्क कर सकते है।

अनाधिकृत विकास व निर्माण के नियमितीकरण के मामले में होगी सख्त कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगमायुक्त रोहित व्यास ने अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली उन्होंने कहा कि अनाधिकृत विकास व निर्माण को नियमितीकरण में दायरे में लाने के लिए सख्त कार्यवाही करें। इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाशत नहीं की जाएगी, उन्होंने इसके लिए कड़े निर्देश सभी जोन आयुक्त को दिए है।

इसके अलावा निगम आयुक्त ने मार्केट डेवलपमेंट को लेकर चर्चा की तथा मार्केट क्षेत्र में आदर्श मार्केट बनाने के लिए व्यापारियों के साथ मिलकर निगम के द्वारा चलाया जा रहे अभियान के बारे में समीक्षा की। सभी जोन क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर ठेले, गुमटी को सुव्यवस्थित करने के लिए वेंडिंग जोन बनाने की तैयारियों को लेकर उन्होंने गहन जानकारी ली और कार्यों को शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। आने वाले दिनों में समस्याओं के निवारण के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा, इसके लिए अलग-अलग विभागों को आयुक्त ने निर्देशित किया है। बैठक में गोधन न्याय योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की गतिविधियों की जानकारी ली गई तथा वृहद सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। हर घर पौधे लगाने की अपील करने तथा इसको प्रेरित करने के लिए अधिकारियों को कहा गया। ऐतिहासिक धरोहर वाले स्थानों के लिए भी विशेष कार्य योजना तैयार की जाएगी। आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए मार्केट क्षेत्रों में भी विशेष अभियान चलाने के निर्देश आयुक्त ने बैठक में दिए। इसके अलावा समय-सीमा की बैठक में प्राप्त होने वाले आवेदन की विस्तार से समीक्षा आयुक्त ने की और अधिकारियों को शीघ्रता से समस्याओं के निदान के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे का वोरा ने किया स्वागत, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में शामिल करने पर जताया अभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 85 वें राष्ट्रीय महाअधिवेशन में शामिल होने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं का आगमन शुरु हो गया है। यह महाधिवेशन 24 से 26 फ़रवरी तक शहीद वीर नारायण सिंह नगर नवा रायपुर में आयोजित है। इसका शुभारंभ 24 फ़रवरी शुक्रवार को होगा।

महाधिवेशन से एक दिन पूर्व गुरुवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राष्ट्रीय नेता पवन बसंल व छग प्रभारी कुमारी शैलेजा सहित कई नेता रायपुर पहुंचे। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष एवं दुर्ग शहर विधानसभा के वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का स्वागत किया और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में शामिल किए जाने पर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खडगे व राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी मोतीलाल वोरा का स्मरण किया और कहा कि आज उनकी कमी महसूस हो रही है। मोतीलाल वोरा पिछले 6 दशक तक दुर्ग का प्रतिनिधित्व करते रहे है उसके बाद उनके पुत्र अरुण वोरा दुर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे है। मोतीलाल वोरा कांग्रेस के सर्वाधिक लोकप्रिय राष्ट्रीय नेताओं में से एक रहे है। कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता श्री वोरा की सक्रियता के कायल रहे है। श्री वोरा ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राष्ट्रीय नेता पवन बसंल व छग प्रभारी कुमारी शैलेजा का भी स्वागत किया।

जिला अस्पताल दुर्ग और सीएचसी पाटन को मिली राष्ट्रीय उपलब्धि

देश में बच्चों के हेल्थ में दिये जाने सुविधाओं के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं को सर्टिफिकेशन करने वाली पहल है मुस्कान

शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा सर्टिफिकेट माना जाता है मुस्कान क्वालिटी सर्टिफिकेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बच्चों को गुणवत्तापूर्वक स्वास्थ्य प्रदान करने में दुर्ग जिला अस्पताल तथा पाटन सीएचसी ने बड़ा मुकाम हासिल किया है। नेशनल हेल्थ मिशन द्वारा इसके लिए की गई पहल मुस्कान के अंतर्गत इन्हें क्वालिटी सर्टिफिकेट दिया गया है। प्रदेश से दो ही अस्पतालों का चयन इसके लिए किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला अस्पताल के शिशुरोग विभाग के एचओडी डा. रजनीश मल्होत्रा ने बताया कि मुस्कान में एसएनसीयू, पीडियाट्रिक ओपीडी, एनआरसी आदि देखा जाता है। इस दृष्टि से इन अस्पतालों में बेहतरीन सुविधाओं की वजह से और क्वालिटी हेल्थ उपलब्ध कराने की वजह से मुस्कान क्वालिटी सर्टिफिकेट के लिए चुना गया है।

सिविल सर्जन डा. योगेश शर्मा ने बताया कि दुर्ग अस्पताल को इसमें 97 प्रतिशत स्कोर मिला है। उन्होंने बताया कि एसएनसीयू में चौबीस घंटे सुविधा दी जाती है और विशेषज्ञ शिशु रोग विशेषज्ञ लगातार बच्चों के हेल्थ की मानिटरिंग करते हैं। पाटन बीएमओ ने बताया कि मुस्कान में क्वालिटी सर्टिफिकेशन के लिए पेशेंट की संतुष्टि बहुत जरूरी होती है। जिन बच्चों के अभिभावकों से बात की गई, उन्होंने इलाज के बारे में संतुष्टि जाहिर की। यहां डाक्टर्स अभिभावकों को नियमित रूप से बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में बताते हैं जिससे अभिभावकों को तसल्ली होती है। डा. शर्मा ने बताया कि हमर लैब की वजह से सभी प्रकार के टेस्ट निःशुल्क हैं जिससे बच्चों के इलाज के लिए काफी सुविधा होती है। कुपोषित बच्चों के लिए एनआरसी की सुविधा है। इस प्रकार छोटे बच्चों के लिए शासन ने इस अस्पताल में बड़ी अच्छी सुविधा दी है। उन्होंने बताया कि एनआरसी में आक्यूपेंसी काफी अच्छी रहती है और यहां बच्चों के पोषण का अच्छी तरह से ध्यान रखा जाता है। उल्लेखनीय है कि पाटन अस्पताल का स्कोर 84 प्रतिशत रहा। उल्लेखनीय है कि जिला अस्पताल दुर्ग में एसएनसीयू यूनिट स्थापित किये जाने से नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी सुविधा हो गई है। साथ ही ब्लड बैंक भी आरंभ होने से कई तरह के जांच निःशुल्क किये जा रहे हैं। इस वजह से बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्वक स्वास्थ्य तो सुनिश्चित किया ही जा रहा है खर्च में भी कमी आई है। अस्पताल की इन उपलब्धियों के लिए कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने अस्पताल प्रबंधन को बधाई दी है। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. जेपी मेश्राम और जीवनदीप समिति के सदस्य दिलीप ठाकुर एवं अन्य सदस्यों ने भी इसके लिए सराहा है।

चेन्नई और मोरबी के चिकित्सक आये थे मूल्यांकन के लिए- उल्लेखनीय है कि मुस्कान पहल के अंतर्गत जांच 16 और 17 दिसंबर को हुई थी। इसमें राष्ट्रीय संस्थान सिद्ध चेन्नई के डा. एनजे मुथुकुमार और डा. जयेश बी बोरसानिया मोरवी अस्पताल से शामिल थे। इन्होंने जांच की और हर बिन्दु में दोनों अस्पतालों को बहुत बेहतर पाया। पुरस्कृत होने पर अस्पताल प्रबंधन काफी प्रसन्न है और आगे भी बेहतर करने के लिए इनका संकल्प मजबूत हुआ है।

शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने प्लास्टिक मुक्त जागरूकता रैली निकाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण को देखते हुए शहर के तालाबो की सफाई हो चुकी है।निगम के स्वास्थ्य विभाग अमला द्वारा प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने के लिए जागरूकता रैली निकालकर शहर वासियों को दिया संदेश। स्वच्छता को लेकर 25 फ़रवरी तक विशेष गतिविधियों में नगर निगम द्वारा जन सहयोग से आयोजित की जा रही है।स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में कचरा मुक्त शहर के लिए निगम विभिन्न प्रकार की गतिविधिया अपना रही है।

जिसके लिए 20 फ़रवरी से स्वच्छता का अभियान शुरू हो चुका है।जो कि 25 फ़रवरी तक किया जाएगा।रैली के माध्यम से नागरिको को जागरूक करते हुए शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में देश में नं.1 लाने के लिए वार्ड 51 व वार्ड 14 में रैली निकालकर नागरिको से की सहयोग की अपेक्षा,नालियों/ खुले में कचरा न फेंके,गीला कचरा / सुखा कचरा अलग-अलग कर सफाई दीदीयों को दें, प्लास्टिक का उपयोग न करें,घरो में ही होम कम्पोस्टिंग कर गीले कचरे से खाद बनायें,स्वच्छता, मलबा संबंधित शिकायत के लिए निदान 1100 टोल फ्री नंबर में संपर्क कर सकते है।खुले प्लाट व सड़कों पर बिखरे मलवे को साफ करने का काम किया गया।

साथ ही कचरा फैलाने वालों को नोटिस जारी करने तथा उनसे अर्थदंड वसूल करते हुए मलबा की सफाई करने कहा गया। तीसरे दिवस को व्यवसायिक परिसरों में प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त शहर के लिए जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।इसके अलावा प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग व विक्रय करने वाले व्यवसायियों से अर्थदंड वसूला गया। अगले क्रम में निकाय क्षेत्र अंतर्गत समुदायिक सह सार्वजनिक शौचालयों की सफाई का काम किया जाएगा तथा शौचालय के उपयोग के संबंध में आम नागरिकों से फीडबैक लिया जाएगा।निकाय में चिंहित जीवीपी प्वाइंट की सघन सफाई की जाएगी। चौक- चौराहों पर इसके लिए जागरूकता के आयोजन भी किए जाएंगे।

लोगों को डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के दौरान सूखा कचरा अलग देने तथा गीला कचरा अलग देने जागरुक किया जाएगा। सफाई अभियान के तहत शक्ति नगर तालाब, वार्ड 21 स्थित तालाब, शीतला तालाब, रेवा तालाव तथा लुचकि तालाब आदि की सफाई की गई। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 को देखते हुए 20 से 25 फ़रवरी तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सहयोग से सफाई के साथ-साथ जागरूकता रैली का भी आयोजन किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950